RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) | वर्ष : 32 अंक : 2 | सोमवार | 14 से 20 अप्रैल, 2025 | पृष्ठः 8 | मूल्य : ₹3/=

श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित... ...5

हिसार में पीएम मोदी का कांग्रेस पर बड़ा हमला

'अगर चिंता है तो किसी मुस्लिम को अध्यक्ष क्यों नहीं बनाते'

हिसार। सोमवार को हरियाणा के हिसार से अयोध्या की पहली फ्लाइट को हरी झंडी दिखाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति की है। डॉ. भीम राव आंबेडकर हमेशा संविधान के संरक्षक रहे, लेकिन कांग्रेस हमेशा संविधान की भक्षक रही है। कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में गरीबों, दलितों, मुस्लिम, विधवा किसी का भला नहीं किया। 2013 में भी वक्फ कानून में बदलाव कर उसे डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान से ऊपर कर दिया। भाजपा ने अब वक्फ बोर्ड के कानून में बदलाव किया है। वक्फ कानून पहले भू-माफिया के लिए बनकर रह गया था। अब नए कानून में कोई आदिवासी की जमीन को नहीं ले पाएगा। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को महाराजा अग्रसेन हिसार एयरपोर्ट से हिसार-अयोध्या विमान को हरी झंडी दिखाने और हिसार एयरपोर्ट पर टर्मिनल-2 के शिलान्यास के लिए पधारे थे। मंच पर उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

'कांग्रेस की तुष्टीकरण का नुकसान मुस्लिम समाज को हुआ'

पीएम ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देने की व्यवस्था की थी। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की तुष्टीकरण का नुकसान मुस्लिम समाज को हुआ। कांग्रेस ने कुछ कट्टरपंथी को खुश किया। मोदी ने कहा कि आजादी के बाद 2013 तक वक्फ का कानून चलता था। चुनाव जीतने के लिए तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए 2013 के अंतिम सत्र में कांग्रेस ने वक्फ कानून में संशोधन किया, ताकि वह वोट ले सके। वोट बैंक को खुश करने के लिए कांग्रेस ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की ऐसी की तैसी कर दी। संविधान से वक्फ कानून को ऊपर कर दिया। कांग्रेस ने सिर्फ अपमान किया।

'कांग्रेस मुस्लिम को बनाए पार्टी अध्यक्ष'

मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि वह वोट बैंक के भूखों को कहना चाहते हैं कि यदि मुस्लिम की चिंता है, तो वह कांग्रेस का पार्टी अध्यक्ष मुस्लिम को बनाए। 50 प्रतिशत टिकट मुस्लिम समाज को दें।

कांग्रेस ये सब नहीं करना है बस नागरिक के अधिकारों को छीनना है। भला किसी का नहीं करना है। मोदी ने कहा कि वक्फ के नाम पर लाखों हेक्टेयर भूमि का ईमानदारी से प्रयोग होता तो मुस्लिम समाज के युवा पैंचर नहीं बना रहे होते।

'बीजेपी ने 11 करोड़ शौचालय निर्माण करवाया'

70 साल तक कांग्रेस ने राज किया और 16 प्रतिशत नल से जल पहुंचा। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित एससी-एसटी, ओबीसी थे। मोदी ने कहा कि कांग्रेस को यदि दलित-गरीब की इतनी चिंता थी तो कांग्रेस उनके घर तक पानी तो पहुंचा देती। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अभी तक देश में 12 करोड़ से ज्यादा घर में नल पहुंचाया है। गांव में 80 प्रतिशत घर में पानी पहुंच रहा है। शौचालय नहीं होने के कारण एससी-एसटी सहित गरीब के घरों में बुरी स्थिति थी। भाजपा ने 11 करोड़ से ज्यादा शौचालय का निर्माण करवाया। जो वंचित था उसको बेहतर जीवन दिया। कांग्रेस राज में एससी-एसटी, ओबीसी के लिए बैंक का दरवाजा नहीं खुलता था। बीमा-लोन, मदद कभी सपना था। भाजपा सरकार बनने के बाद आज हर गरीब की जेब में रुपया कार्ड है। सबसे ज्यादा जनधन खाते के लाभार्थी एससी-एसटी के लोग है।

'बाबा साहेब के याद को कांग्रेस ने मिटाने की कोशिश की'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के साथ गलत किया। जब तक वह जीवित रहे उनको अपमानित किया। उनको दो-दो चुनाव हरवाए। उनको उखाड़ फेंकने के लिए पूरी कांग्रेस सरकार लगी हुई थी। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब हमारे बीच नहीं रहे लेकिन उनकी याद को भी कांग्रेस ने मिटाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर संविधान के संरक्षक रहे और कांग्रेस संविधान की भक्षक बनी। डॉ. आंबेडकर समानता लाना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस ने वोट बैंक का वायरस फैलाया। डॉ. आंबेडकर ने कांग्रेस के लंबे शासन काल में नेताओं के घर में स्वीमिंग पुल तक पानी पहुंच जाता था मगर गांव में नल से जल नहीं पहुंचा।

'नए कानून से मुस्लिम समाज और गरीबों को उनका हक मिलेगा'

मोदी ने कहा कि दलित, पिछड़ों, आदिवासी, विधवा मुस्लिम महिलाओं की भू-माफिया ने जमीन लूटी। उन सैकड़ों विधवा महिलाओं ने भारत सरकार को पत्र लिखा तो यह नया कानून बना। भाजपा के बनाए इस नए कानून से जो गरीब से लूटा जा रहा था वह सब बंद हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नए कानून में किसी आदिवासी की जमीन, घर, संपत्ति को वक्फ बोर्ड हाथ भी नहीं लगा पाएगा। आदिवासी हित की रक्षा के साथ संविधान की मयार्दा रखी है। नए प्रावधान वक्फ की पवित्र भावना का सम्मान है। मोदी ने कहा कि इस नए कानून से मुस्लिम समाज, गरीब, विधवा, बच्चों को उनका हक मिलेगा। वह सुरक्षित रहेंगे।

'कांग्रेस ने सत्ता के लिए संविधान को कुचला'

मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने हमारे पवित्र संविधान को सत्ता हासिल करने का हथियार बनाया। सत्ता के लिए संविधान को कुचल दिया। आपातकाल एक उदाहरण है। सत्ता बनी रहे इसके लिए कांग्रेस ने सेकुलर सिविल कोड को कभी लागू नहीं होने दिया। उत्तराखंड में भाजपा सरकार बनी तो भाजपा ने सेकुलर सिविल कोड को लागू किया। समान नागरिकता लागू की। देश का दुर्भाग्य है कि संविधान को जेब में रखने वाले कांग्रेस के लोग उसका विरोध कर रहे हैं। भाजपा ने आरक्षण का प्रावधान किया। लेकिन कांग्रेस ने कभी नहीं देखा कि लोगों को लाभ मिला है या नहीं।

'कांग्रेस सिर्फ सत्ता की सगी है'

मोदी ने कहा कि 2014 के बाद भाजपा ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रेरणा को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए कदम उठाए है। डॉ. आंबेडकर जहां रहे उपेक्षित थे। भाजपा सरकार बनने के बाद वह जहां भी उनके सम्मान देने का काम किया है।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर होगा जीरो पॉवर्टी कार्यक्रमः सीएम योगी

- अन्याय-अत्याचार व भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने से ही बाबा साहेब के सच्चे अनुयायी कहलाएंगे : मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश में जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर होगा। यह कार्यक्रम इसी महीने आगे बढ़ाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर गरीब-वंचित को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए पीएम मोदी की प्रेरणा से सरकार ने जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम को अपने हाथ में लिया है।

जीरो पॉवर्टी का मतलब कोई गरीब-वंचित न रह पाए। वह सभी प्रकार की सुविधाओं से युक्त हो। पिछले 8 वर्ष में मुसहर, थारू, वनटांगिया, कोल, बुक्सा, चेरो, गोड़, सहरिया को पूरी तरह से सेचुरेट करने का कार्य किया गया। हर जरुरतमंद को सुविधाओं का लाभ दिलाया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर अंबेडकर महासभा की तरफ से सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में अपनी बातें रखीं। मुख्यमंत्री ने स्मारिका का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण में 14-15 लाख परिवारों को जोड़ेंगे। हर ग्राम पंचायत में 20-25 ऐसे परिवार होंगे, जिन्हें बहुत सारी सुविधाएं नहीं मिली होंगी। डबल इंजन सरकार उन्हें वह सुविधा उपलब्ध कराएगी। सीएम ने कहा कि यह योजना इसलिए बाबा साहेब के नाम पर जानी जाएगी, क्योंकि देश में शैक्षणिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से समुन्नत करने का दर्शन उन्होंने ही दिया था। यूपी देश का पहला राज्य होगा, जो जीरो पॉवर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि 1891 में मध्य प्रदेश के महू में उनका जन्म हुआ। विलक्षण बुद्धि और कुछ करने की तमन्ना के भाव के कारण उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड की तरफ प्रस्थान का निश्चय किया। महाराजा बडोदरा ने छात्रवृत्ति दी, जिस पर वे वहां गए और दुनिया की उच्चतम शिक्षा की डिग्री हासिल कर वापस भारत आए। उनका एक ही संकल्प था कि कोटि-कोटि वंचितों-दलितों को उनका अधिकार दिलाना है। न सिर्फ देश, बल्कि नागरिकों की आजादी के लिए भी कार्य करना है। बाबा साहेब देश की आजादी के आंदोलन में कूद पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1946 में संविधान सभा का गठन हुआ। पहली संगठित सरकार के न्याय मंत्री और संविधान समिति के ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। भारत का संविधान आज भी प्रत्येक नागरिकों को जोड़ने का सामर्थ्य रखता है। जो लोग भारत की एकता के पक्षधर नहीं थे, वे हंसते थे कि भारत स्वतंत्र तो हो रहा है पर एकजुट नहीं रह पाएगा। उनकी मंशा धरी की धरी रह गई। उत्तर से दक्षिण व पूरब से पश्चिम तक 140 करोड़ लोग एकता के सूत्र में बंधे हैं। संविधान के कारण भारत ने सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में आज भी अपनी धाक जमाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब के सपने को साकार करने का प्रयास पहली बार अटल जी ने प्रारंभ किया, उसे नई गति दी पीएम मोदी ने। शैक्षणिक हो या आर्थिक, हर क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। पीएम मोदी ने इसे आगे बढ़ाया। दुनिया में भारत एक मात्र ऐसा देश है, जिसने कोरोना में भी हर नागरिक को उसका अधिकार दिलाया। सीएम ने केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया।

दो साल में 10 लाख करोड़ का हाईवे बनाएगी केंद्र सरकार

गडकरी बोले- अमेरिका की तरह बन जाएंगी नॉर्थ ईस्ट की सड़कें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देशभर में हाईवे को मजबूत करने के लिए अगले दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और वहां की सड़कें अमेरिका की सड़कों के समान बनाई जाएंगी।

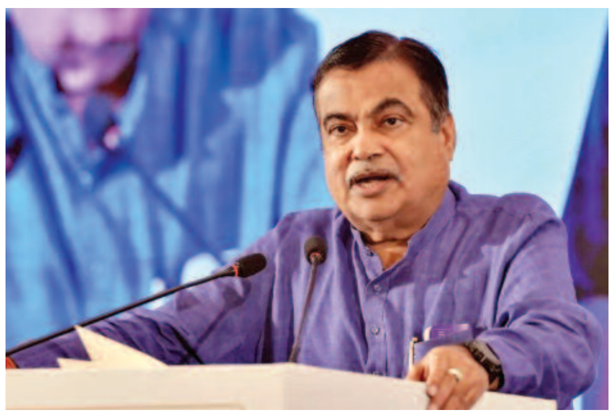

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। गडकरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि केंद्र का उद्देश्य देश के बुनियादी ढांचे को विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप बनाना है।

उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर में सड़क बुनियादी ढांचे को सुधारने की तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि यह क्षेत्र भौगोलिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राज्यों में 784 हाईवे परियोजनाएं चालू की जाएंगी, जिनकी अनुमानित लागत 3,73,484 करोड़ रुपये है।

गडकरी ने यह भी बताया कि असम में 57,696 करोड़ रुपये और बिहार में लगभग 90,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। इसके अलावा, नागपुर में 170 करोड़ रुपये की लागत से एक मास रैपिड ट्रांसपोर्ट पायलट परियोजना भी चल रही है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जो मार्च 2014 में 91,287 किलोमीटर से बढ़कर 1,46,204 किलोमीटर हो गई है।

कलेक्ट्रेट सभागार में धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

जिलाधिकारी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई गई। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण, श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के निदेर्शों के क्रम में आज जनपद में सभी जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर जी भारत के संविधान के निमार्ता हैं। हम सभी को उनकी विचारधारा, उनकी सीख को आत्मसात करना चाहिए। सभी लोग समाज व देश को आगे बढ़ाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने किसी एक समाज के लिए नहीं बल्कि हर समाज की भलाई के लिए कार्य किया। बाबा साहेब ने महिलाओं के उत्थान के लिए बहुत कार्य किया, श्रमिकों के हितों को हमेशा ध्यान में रखा। बाबा साहेब के बारे जितना कुछ कहा जाए उतना कम है, उन्हें नौ भाषाओं का ज्ञान था तो डिग्री प्राप्त करने में वे आगे रहे। बाबा साहेब एक ऐसा व्यक्तिव हैं जो सदी में एक ही होता है और सौभाग्य भारत को मिला। जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहेब को समझने और उनके विचार को जानने की महत्ता साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। उनके विचारों को आत्मसात कर भारत अच्छी दिशा की ओर अग्रसर है। बाबा साहेब की दूरदर्शिता देश के लिए बहुत कारगर साबित हो रही है। उनके विचारों पर चलने से देश आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर एडीएम सिटी गंभीर सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट संतोष कुमार उपाध्याय, एसडीएम चन्द्रेश कुमार व अन्य अधिकारी व कर्मचारियों ने डॉ. अम्बेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला वहीं अधिकारियों व कर्मचारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने गान प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी ने स्कूली बच्चों का मनोबल भी बढ़ाया। जिलाधिकारी द्वारा सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई।

इसके अलावा नवयुग मार्केट स्थित बाबा साहेब डाक्टर भीमराव अंबेडकर पार्क में पहुंचकर डीएम ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। यहां आयोजित कार्यक्रम में माननीय महापौर सुनीता दयाल, राज्यमंत्री स्वतंत्रप्रभा नरेन्द्र कश्यप, शहर विधायक संजीव शर्मा, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक , एडीएम सिटी गंभीर सिंह आदि मौजूद रहे।

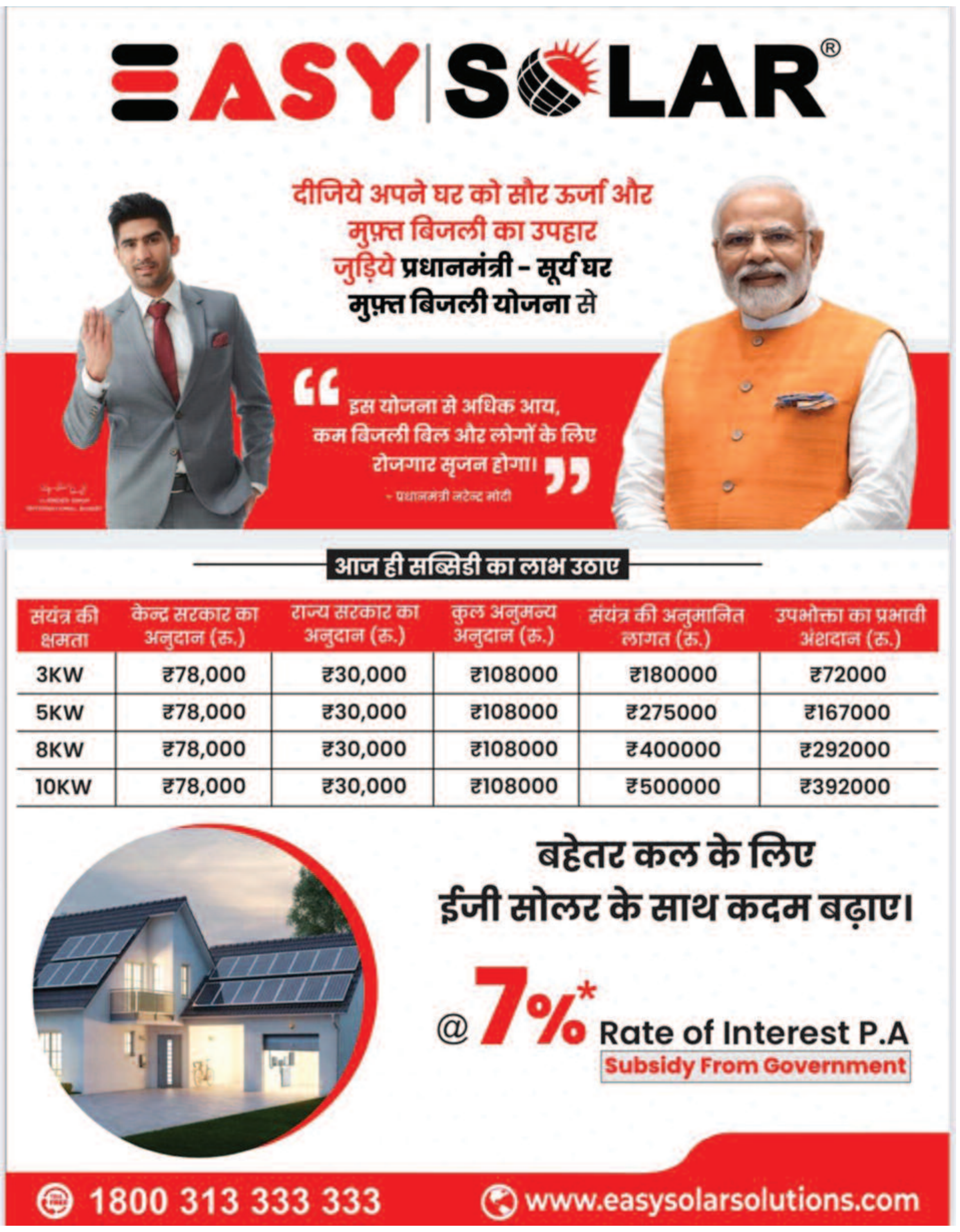

संयंत्र की क्षमता	केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.)	राज्य सरकार का अनुदान (रु.)	कुल अनुमन्य अनुदान (रु.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई व्यापार बंधु की बैठक

डीएम दीपक मीणा ने सभी व्यापारियों की समस्याओं को सुनने के बाद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासन की मंशा के अनुरुप समृद्ध व्यापार एवं सुखी व्यापारी की संकल्पना की अवधारणा के क्रियान्वयान हेतु दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में जनपदस्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई । जिलाधिकारी दीपक मीणा ने व्यापार बंधु की बैठक में जिले के व्यापारियों की समस्याओं का संज्ञान लिया।

व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित समस्याओं के संबंध में जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण के प्रति संवेदनशील है तथा समस्याओं से संबंधित विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये गये कि व्यापारियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं के निस्तारण में कोई कोताही न बरती जाए। साथ ही व्यापारियों की समस्याओं को सुनने के लिए प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को व्यापार बंधु की निरंतर बैठक किये जाने के निर्देश दिये गये एवं जिलाधिकारी की ओर से आश्वस्त किया गया कि जिला गाजियाबाद में व्यापार को सुगम बनाने व व्यापारियों की समस्या का त्वरित समाधान करने हेतु प्रशासन की ओर से हर संभव प्रयास किया जायेगा। व्यापार

- सम्बंधित अधिकारियों को स्थाई एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

बंधु की बैठक का संचालन राज्य कर विभाग के श्री चन्द्र कांत भूषण, उपायुक्तं (प्रशासन) राज्य कर गाजियाबाद द्वारा किया गया। व्यापारी संगठनों द्वारा आज की बैठक में छोट-छोटे उद्योग लगाये जाने की प्रक्रिया को सुगमता से लागू करवाने, सिद्धार्थ विहार में आवास-विकास द्वारा आबंटित क्षेत्र में दुकानों की संख्या में वृद्धि होने के कारण उक्त क्षेत्र में सुलभ शौचालय व पेयजल के प्याऊ आदि लगवाने की व्यवस्था किये जाने, डासना गेट बाजार में पार्किंग की समस्या के निराकरण, नया गंज तिराहे पर रोड के ऊपर अस्थायी कूड़े के ढेर से बाजार की सड़क के अवरुद्ध होने आदि समस्याएं रखी गयीं। उक्त बैठक के समापन में जिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभागो को निर्देशित किया गया कि व्यापारियों द्वारा बैठक में उठायी गयी समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण किया जाए तथा व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुन कर निस्तारण कढ़ाई से करना सुनिश्चित करें। बैठक में जियाउद्दीन अहमद, एसीपी ट्रैफिक, सुजाता सिंह , चन्द्र कान्त भूषण उपायुक्त (प्रशासन) , व्यापारी नेता अशोक भारती, प्रीतमलाल, केसरी मिश्र, प्रशांत सरैया सहित विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, गाजियाबाद प्राधिकरण, खाद्य सुरक्षा के अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया।

राज नगर एक्सटेंशन में बनेगा कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, महापौर ने किया शिलान्यास

- 3 मंजिला इमारत का होगा सुंदर स्वरूप
- 27 दुकानों के साथ होंगे 2 हॉल और कैफेटेरिया
- शहर को मिलेगी एक नई सौगात और नगर निगम की बढ़ेगी आय-महापौर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन स्थित पुलिस चौकी के बराबर में नगर निगम की भूमि पर 2 करोड़ 25 लाख की लागत से अवस्थापना निधि के अंतर्गत नगर निगम का कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा ।जिसका महापौर सुनीता दयाल ने शिलान्यास किया है। जिसमे 3 मंजिला इमारत बनेगी,और 2 हॉल,27 दुकाने, कैफेटेरिया, शौचालय एवं पेड़ पौधे हरियाली आदि का कार्य किया जाएगा।

महापौर सुनीता दयाल लगातार नगर निगम की भूमि को कब्जा मुक्त करा रहीं है और पूर्व में यह भूमि भी कब्जे में थी तब महापौर सुनीता दयाल ने ही शिकायत मिलते ही तोड़ फोड़ की कार्यवाही कराई थी एवं नगर नीवं की भूमि को बचाने के लिए उन्होंने नगर आयुक्त से साथ बैठकर नगर निगम की दुकाने बनाने की योजना बनाई और फिर अवस्थापना निधि की बैठक में कॉम्प्लेक्स का प्रस्ताव पर 2 करोड़ 25 लाख के बजट की मोहर लगाई जिसका आज निर्माण कार्य भी शुरू कराया गया है। उपरोक्त कॉम्प्लेक्स बनाये जाने से नगर निगम की भूमि कब्जा मुक्त रहेगी और नगर निगम की आय भी बढ़ेगी। नगर निगम में दुकान एवं कॉम्प्लेक्स की आदि बनाने की गति धीमी हो गई थी जिसमें अब तेजी आएगी और नगर निगम की आय बढ़ाने के लिए अलग अलग तरह से कार्य किया जा रहा है। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि नगर निगम के आय के साधन बढ़ाने के लिए हम सबने एक कदम बढ़ाया है एवं इसी प्रकाश कैला भट्टा व क्रोसिंग में भी आय बढ़ाने के एवं जनता की सुविधाओं के लिए नई नई योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है यह कॉम्प्लेक्स बहुत ही सुंदर बनेगा और चारो ओर हरयाली और पार्किंग की सुविधा भी रहेगी।

मुख्यमंत्री युवा विकास अभियान की समीक्षा बैठक सम्पन्न

योजना को लेकर बरती जा रही लापरवाही पर सीडीओ ने जताई नाराजगी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित योजना ₹ मुख्यमंत्री युवा विकास अभियान₹ के अंतर्गत 21 से 40 वर्ष के युवाओं को रुपए 5 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है। उक्त के अंतर्गत संचालित ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन किया जा सकता है। शासन द्वारा उक्त योजना की निरंतर गहन समीक्षा की जा रही है एवं योजना अंतर्गत जनपद को निर्धारित लक्ष्य की शत प्रतिशत पूर्ति किए जाने हेतु निर्देशित किया जा रहा है।

जिलाधिकारी गाजियाबाद द्वारा बैंकों को प्रेषित किए गए आवेदनों पर सकारात्मक कार्यवाही किए जाने तथा लंबित आवेदनों के परीक्षण हेतु बैंकों की मुख्य शाखाओं में संपर्क कर आवेदनों का निस्तारण किए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल द्वारा जनपद गाजियाबाद की एसबीआई शाखा को प्रेषित किए गए 213 आवेदनों में से निरस्त 187 आवेदन, स्वीकृत 22 आवेदन, वितरित 12 आवेदनों पर की गई कार्रवाई के परीक्षण /आवेदनों के निस्तारण हेतु एसबीआई एसएमईसीसी शाखा, नियर आरटीओ ऑफिस बुलंदशहर रोड गाजियाबाद के परिसर में सहायक महाप्रबंधक, एसबीआई, क्षेत्रीय प्रबंधक एसबीआई, मुख्य शाखा प्रबंधक एसबीआई, अग्रणी जिला प्रबंधक केनरा बैंक, तथा उपायुक्त उद्योग के साथ समीक्षा बैठक की गई। एसबीआई शाखाओ द्वारा निरस्त किए गए आवेदनों की संख्या अधिक होने, तथा स्वीकृत आवेदनों की संख्या अधिक कम होने पर मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद द्वारा काफी नाराजगी व्यक्त की गई एवं बैंकों में लंबित आवेदनों को शीघ्र निस्तारण करते हुए ऋण वितरण की कार्यवाही किए जाने तथा आवेदनों को अनावश्यक रूप से निरस्त ने किए जाने के लिए एसबीआई एसएमईसीसी बैंक के सहायक महाप्रबंधक को निर्देशित किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित बैंक अधिकारियों को उक्त योजना में निर्धारित लक्ष्यों की शत प्रतिशत पूर्ति किया जाने हेतु निर्देशित करते हुए अगले सप्ताह पुनः समीक्षा बैठक किए जाने के लिए निर्देशित किया गया।

आवास आयुक्त व जीडीए वीसी की पहल

राजनगर एलेवेटेड रोड को वसुंधरा, इंदिरापुरम व सिद्धार्थ विहार से जोड़ने की तैयारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाज़ियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन से दिल्ली बॉर्डर (यूपी गेट) तक बनी 10.3 किलोमीटर लंबी एलेवेटेड रोड को वसुंधरा, इंदिरापुरम और सिद्धार्थ विहार जैसी प्रमुख आवासीय योजनाओं से जोड़ने की योजना पर तेजी से काम शुरू किया गया है। इस संदर्भ में हाल ही में आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह, जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स, मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह, अधिशासी अभियंता आलोक रंजन समेत अन्य अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण किया और प्रस्तावित योजनाओं पर विचार-विमर्श किया।

प्रस्ताव के ये हैं मुख्य बिंदु

वसुंधरा एवं इंदिरापुरम क्षेत्र के लाखों निवासियों को दिल्ली एवं अन्य क्षेत्रों से बेहतर कनेक्टिविटी देने के उद्देश्य से एलेवेटेड रोड के दोनों ओर स्लिप रोड्स के निर्माण का प्रस्ताव तैयार किये जाने की योजना है। वसुंधरा में उतरने की सुविधा के साथ-साथ कानावनि क्षेत्र के पास से एलेवेटेड रोड पर चढ़ने की व्यवस्था भी प्रस्तावित है, जिससे स्थानीय नागरिकों को दिल्ली से आने व जाने के लिए सुगम और सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। साथ ही, सिद्धार्थ विहार योजना को एलेवेटेड रोड से जोड़ने के लिए हिंडन नदी पर एक नए पुल के निर्माण करते हुए जोड़े जाने पर भी आवास विकास द्वारा प्रस्ताव रखा गया है। फिलहाल वसुंधरा और इंदिरापुरम क्षेत्र से एलेवेटेड रोड पर चढ़ने-उतरने की सीमित सुविधा उपलब्ध है, जिससे लोगों को ट्रैफिक जाम और समय की बबार्दी का सामना करना पड़ता है। बता दे कि अभी वसुंधरा से केवल एलवटेड रोड पर चढ़ने की व्यस्था है जो राजनगर एक्स्टेंशन की ओर ले जाता है परन्तु दिल्ली से आने वाले लोगो के लिए वसुंधरा जाने व वसुंधरा से दिल्ली के लिए जाने की सीधी व्यवस्था नही है। साथ ही राजनगर एक्सटेंशन से दिल्ली जाते समय इंदिरापुरम एलेवटेड रोड से उतरने की ही व्यवस्था है परंतु इंदिरापुरम से एलेवटेड रोड पर चढ़ने की व्यस्था नही है। इन्ही सीमित व्यवस्थाओं को दूर करते हुए वसुंधरा और इंदिरापुरम को दिल्ली से सीधा जोड़ने के लिए वसुंधरा में उतरने की सुविधा के साथ-साथ कनावनी क्षेत्र के पास से एलेवेटेड रोड पर चढ़ने की व्यवस्था भी प्रस्तावित की जा रही है, जिससे स्थानीय नागरिकों को दिल्ली से आने व जाने हेतु सुगम और सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। जीडीए द्वारा इन दोनों प्रस्तावों की तकनीकी एवं व्यावहारिक संभावनाओं की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही इसकी फिज़िबिलिटी स्टडी कराते हुए डी पी आर तैयार कर कार्य कराया जायेगा जिस पर आने वाला व्यय आवास विकास परिषद से प्राप्त होगा। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने निर्देशित किया है कि मुख्य अभियंता इस कार्य को शीर्ष प्राथमिकता पर रखते हुए आवास विकास से समन्वय स्थापित कर मूर्त रूप देने के लिए आवश्यक कार्यवाही करे।

अकबरपुर बहरामपुर व डूंडाहेड़ा के आक्रोशित लोगों को नगर आयुक्त ने नियम समझा कर कराया शांत

अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई जारी रखने के दिये निर्देश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- संपूर्ण जांच के बाद ही क्रय करें जमीन या मकान-नगर आयुक्त
- अकबरपुर बहरामपुर के खसरा नंबर 164 पर नहीं होगा नया निर्माण निगम ने लगाई रोक
- डूंडाहेड़ा के खसरा नंबर 121 व 123 पर विभाग करेगा संयुक्त पैमाइश, नगर आयुक्त ने टीम को दिये आदेश

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पर विजयनगर क्षेत्र अकबरपुर बहरामपुर तथा डूंडाहेड़ा के निवासियों ने नगर आयुक्त से मुलाकात की। जिसमें अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को लेकर चर्चा की गई। नगर आयुक्त द्वारा संबंधित संपत्ति विभाग के अधिकारियों तथा अकबरपुर बहरामपुर व डूंडाहेड़ा के निवासियों से संपूर्ण जानकारी ली गई तथा नियम को समझाते हुए आक्रोशित जनता को शांत कराया अधिकारियों को नियम अनुसार कार्यवाही जारी रखने के निर्देश दिए। उपस्थित क्षेत्र वासियों द्वारा नगर आयुक्त की त्वरित कार्यवाही पर धन्यवाद किया गया।

मौके पर अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार तथा प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह व टीम उपस्थित रही। अकबरपुर बहरामपुर के खसरा नंबर 164 पर गाजियाबाद नगर निगम द्वारा कार्यवाही की गई जो की मिलवा जुल्वा नंबर है। जिसमें निगम की जमीन भी शामिल है। इसी विषय को स्पष्ट करते हुए नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि सक्षम न्यायालय से कार्यवाही की जाएगी तदुपरांत अंतिम निर्णय होगा तब तक किसी भी प्लॉट पर निर्माण कार्य न किया जाए आदेशित किया गया। उपस्थित अकबरपुर बहरामपुर निवासियों ने निर्णय को मानते हुए गाजियाबाद नगर आयुक्त का धन्यवाद किया ।इसी क्रम में खसरा नंबर 121 तथा 123 जो की डूंडाहेड़ा का है । जिस पर अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई ।जिसमें निगम की भूमि की जांच करने के लिए नगर आयुक्त द्वारा टीम को तहसील की टीम के साथ संयुक्त पैमाइश करने के निर्देश दिए तदो उपरांत कार्यवाही पुनः करने के लिए कहा गया।जिस पर उपस्थित डूंडाहेड़ा के निवासियों ने सहमति दिखाते हुए संयुक्त पैमाइश की अपील की गई। नगर आयुक्त द्वारा जहां अधिकारियों को नियम अनुसार कार्यवाही अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

वही शहर वासियों से जमीन खरीदने से पहले संपूर्ण जानकारी करने के लिए अपील की गई है। किसी प्रकार की सरकारी भूमि पर कब्जा नहीं होने दिया जाएगा साथ ही अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार विभाग कार्यवाही करेगा ।जिनके द्वारा अवैध रूप से सरकारी भूमि बेचने का कार्य किया जा रहा है उनके विरुद्ध भी कड़ी कार्यवाही होगी उपस्थित जनों को अवगत कराया गया।

नगरायुक्त ने साहिबाबाद व्यापारियों की सुनीं समस्याएं

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- विक्रमादित्य सिंह मलिक ने अधिकारियों को दिए तत्काल कार्यवाही के निर्देश
- व्यापारियों ने निर्माण कार्यों को गति देने की मांग की

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पर साहिबाबाद से पाइप मार्केट की व्यापारियों द्वारा नगर आयुक्त से मुलाकात की गई । जिसमें अपने इंडस्ट्रियल एरिया में निर्माण कार्यों की मांग को लेकर चर्चा हुई नगर आयुक्त द्वारा सभी से बातचीत करते हुए क्षेत्र का हाल जाना तथा निर्माण कार्यों को रफ्तार से करने के निर्देश दिए गए।

जिसके लिए मौके पर सर्वे करने के लिए कहा गया, व्यापारियों ने 3 किलोमीटर लंबी सड़क को बनाने के लिए कहा गया। जिसको नगर आयुक्त द्वारा धन उपलब्धता पर प्राथमिकता पर बनाई जाए। संबंधित निर्माण विभाग अधिकारी को निर्देश दिए, इसके अलावा लाइटों की व्यवस्था को लेकर भी टीम को अविलंब कार्यवाही के लिए कहा गया। व्यापारियों ने अपने क्षेत्र की समस्या नगर आयुक्त के समक्ष राखी ।जिस पर तत्काल कार्यवाही के आदेश नगर आयुक्त द्वारा दिए गए मौके पर निर्माण विभाग द्वारा टीम भेजी गई तथा सर्वे कराया गया सड़क तथा नालियों के निर्माण के साथ-साथ प्रतिदिन सफाई अभियान चलाने के लिए भी टीम को कहा गया। अविलंब कार्यवाही करने पर व्यापारियों ने नगर आयुक्त को थैंक यू बोला। उपस्थित जनों ने निर्माण विभाग स्वास्थ्य विभाग तथा जलकल विभाग अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए अपनी-अपनी समस्याएं बताई। गाजियाबाद नगर निगम जनहित में त्वरित कार्यवाही की ओर अग्रसर हो रहा है। जिसके क्रम में साहिबाबाद पाइप मार्केट से आए हुए व्यापारियों की समस्याओं का समाधान कराया गया। जोनल प्रभारी मोहन नगर आरपी सिंह को लगातार व्यापारियों के साथ बने रहने तथा उनकी समस्याओं के समाधान पर अविलंब कार्यवाही करने के लिए कहा गया।

अब रजिस्ट्री के लिए जीडीए दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे

गाजियाबाद। जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करवाने के लिए लोगों को जीडीए दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। जीडीए ने ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट सेवाओं की तरह रजिस्ट्री के लिए भी स्लॉट बुकिंग सिस्टम शुरू करने का निर्णय लिया है। इस नई व्यवस्था के तहत अब आवंटी को जीडीए की वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्री के लिए स्लॉट बुक करना होगा।

एक बार स्लॉट बुक हो जाने के बाद आवंटी की जिम्मेदारी खत्म मानी जाएगी और इसके बाद संबंधित बाबू की जिम्मेदारी शुरू हो जाएगी। आवंटी को अपने निर्धारित समय पर रजिस्ट्रार कार्यालय पहुंचना होगा, जहां संबंधित कर्मचारी पहले से मौजूद रहेगा। इस पहल से न सिर्फ पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि लोगों को 'आज टाइम नहीं मिला', 'अगले दिन आओ' जैसे बहानों से भी निजात मिलेगी। इससे लोगों का पूरा दिन भी बर्बाद नहीं होगा और वे अपनी सुविधा के अनुसार स्लॉट बुक कर सकेंगे।

गौरतलब है कि जीडीए द्वारा हाल ही में प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम (PMS) की शुरूआत की गई है। इसी सिस्टम में अब एक अतिरिक्त लिंक जोड़कर रजिस्ट्री स्लॉट बुकिंग की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इस सॉफ्टवेयर को तैयार करने वाली कंपनी को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वह शीघ्र ही इस सुविधा को पोर्टल पर लाइव करे। इस पहल से रजिस्ट्री प्रक्रिया हेतु जन समान्य को प्राधिकरण कार्यालय के चक्कर नही लगाने होंगे, अपितु घर बैठे मोबाइल या लैपटॉप की मदद से अपनी सुविधा के अनुसार स्लॉट बुक कर रेजिस्ट्री की कार्यवाही सुनिश्चित की जा सकेगी।

पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अखंड भारत मिशन की मैराथन 2025 में उमड़ा जनसैलाब

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद मैराथन 2025 (अखंड भारत हेतु दौड़) का ऐतिहासिक, उत्साहपूर्ण और भव्य आयोजन आज अखंड भारत मिशन के तत्वावधान में तथा पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में राजनगर एक्सटेंशन स्थित आयोजन स्थल पर सम्पन्न हुआ। चार हजार से अधिक धावकों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को अभूतपूर्व बना दिया, जिसने पूर्व सभी कीर्तिमानों को पीछे छोड़ते हुए एक नया इतिहास रच डाला। यह आयोजन स्वस्थ भारत , अखंड भारत के संकल्प के साथ राष्ट्रप्रेम और स्वास्थ्य जागरूकता को एक साथ जोड़ते हुए एक जनआंदोलन के रूप में सामने आया। दौड़ की शुरूआत सेंट्रल एवेन्यू विपणन परिसर से हुई और समापन के. डब्ल्यू. दिल्ली 6 विपणन परिसर पर हुआ, जिससे पूरे आयोजन को विशेष गरिमा प्राप्त हुई।

पूज्य सुनील कौशल जी महाराज और नवनीत प्रिय दास महाराज की पावन उपस्थिति ने आयोजन को आध्यात्मिक ऊजाओं से भर दिया। गाज़ियाबाद वासियों ने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत इस आयोजन में पूरे जोश और श्रद्धा से भाग लिया। इस अवसर पर कई विशिष्ट अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से आयोजन को गौरवान्वित किया जिनमें प्रमुख रूप से उमेश(प्रांत संगठन मंत्री, क्रीड़ा भारती), राहुल गोयल (सदस्य, भारतीय खाद्य निगम), गुलशन भांबरी, संजय गुसाईं, योगेश कुमार, वी.के. अग्रवाल, हेमंत त्यागी (मंडल अध्यक्ष, भाजपा), सुमन लता पाल (पार्षद), नितिन त्यागी, वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि राज कौशिक, पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, देवेंद्र हितकारी, जिला पंचायत सदस्य पवन सहलोत, आयुष त्यागी काकड़ा, सुबोध त्यागी, संजय त्यागी, राज मोहन गोयल, संदीप वर्मा, हिमांशु शर्मा, आरिफ चौधरी, नितिन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

अखंड भारत मिशन की समर्पित टीम ने इस आयोजन को सफल बनाने में अतुलनीय भूमिका निभाई। संस्थापक अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में मृदुल महेश (संयोजक), संदीप शर्मा (कोषाध्यक्ष), शुभम गर्ग (उपाध्यक्ष), आनंद द्विवेदी (संगठन मंत्री), प्रो. राजपाल त्यागी, पवन योगी, महिला उपाध्यक्ष दीपा सिरोही, महिला टीम अध्यक्ष सीमा गोयल, निपुण त्यागी, प्राची मिश्रा, नितिका शुक्ला, सिमरन रंधावा, नीलम शर्मा, रितु गुप्ता, शशि श्रीवास्तव, प्रवीण त्यागी, बृजमोहन शर्मा, एम. पी. शर्मा, रणवीर प्रधान (संरक्षक), अशोक प्रधान, कमल शर्मा, के.के. पांडेय, निखिल त्यागी (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), अंकित बेलवाल, संजय तारिका, हरीश पंडित, आर.पी. शर्मा, राजबीर त्यागी, मीत तरिका, रोहित आर्य, और अधिवक्ता संजय शर्मा सहित पूरी टीम का योगदान सराहनीय रहा। आयोजन की सफलता में अनेक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही। सेंट्रल एवेन्यू की ओर से दीपक शर्मा, संजय गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, निखिल त्यागी और उनकी टीम तथा के.डब्ल्यू. दिल्ली 6 की ओर से प्रबंध निदेशक पंकज जैन और उनकी टीम ने आयोजन को सशक्त समर्थन प्रदान किया।

इसके अतिरिक्त, डिकैथलोन, एचआरआईटी विश्वविद्यालय, स्मार्ट डेन, वेब पंडित, यशोदा अस्पताल, वर्दान हॉस्पिटल, समरकूल, एस आर समूह, श्री एम प्रॉपर्टी बाजार, गृह प्रवेश, एमएमए जिम, बिग स्माइल फाउंडेशन तथा फिट प्लस हेल्थ टीम जैसे सहयोगी संस्थानों ने आयोजन को उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया। क्रीड़ा भारती ने इस आयोजन को एक जन-जागरूकता अभियान, स्वास्थ्य चेतना और राष्ट्रप्रेम से परिपूर्ण जनांदोलन का स्वरूप प्रदान किया।

यह मैराथन केवल एक खेल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में एक प्रेरणास्त्रोत बनकर उभरी, मैराथन में मेडिकल एवं आयुष्मान कैंप जैसे विभिन्न व्यवस्थाएं भी की गई। अखंड भारत के लिए दौड़ का उद्घोष प्रत्येक धावक के कदमों के साथ गूंजता रहा, और गाज़ियाबादवासियों ने इस आयोजन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की भावना को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

हनुमान मंदिर चौपला में धूमधाम से मना श्री हनुमान जन्मोत्सव

मंदिर में देश-विदेश से आये भक्तों ने की पूजा-अर्चना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर चौपला में श्री हनुमान जन्मोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। श्री दूधेश्वर महादेव मंदिर, गाजियाबाद के पीठाधीश्वर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता व दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज की अध्यक्षता में मंदिर में सुबह से देर रात्रि तक धार्मिक आयोजन हुए। राम भक्त हनुमान जी की पूजा-अर्चना के लिए देश-विदेश से भक्त आए। विधायक संजीव शर्मा, पवन पुत्र अजय चोपड़ा, जन प्रतिनिधियों, उद्यमी, काराबारियों समेत हजारों भक्तों ने हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर महाराजश्री से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। श्रीमहंत नारायण गिरि जी महाराज की अध्यक्षता व दिशा-निर्देशन में शनिवार को प्रातः 4 बजे से चौला चढना शुरू हुआ। प्रातः 8 बजे जिया बैड दिल्ली की प्रस्तुति हुई। प्रातः 9 बजे से पावन चिंतन मिशन के रोहित केसरी व करण मल्होत्रा ने सुंदर कांड का पाठ किया। दोपहर 12 बजे से भजन हुए व दोपहर 12.30 बजे से भंडारा शुरू हुआ जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। अपरान्ह 4 बजे देव शहनाई दिल्ली की प्रस्तुति हुई। महिला मंडल द्वारा बधाई गीत गाए गए और भजन संध्या का आयोजन हुआ। रात्रि में श्री रामायण भवन हरि संकीर्तन सभा द्वारा संकीर्तन किया गया। उप महापौर राजीव शर्मा व उनकी टीम ने देशी-विदेशी फूलों द्वारा बाबा का भव्य श्रृंगार किया। मुख्य पुजारी ईश्वर पंडित, पुजारी अनुपम व पुजारी पं रामलाल द्वारा हनुमान जी की विशेष पूजा-अर्चना कराई गई। आरती प्राचीन देवी मंदिर के महंत गिरिशानंद गिरि महाराज ने कराई।

श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर चौपला की मान्यता देश-विदेश में है क्योंकि यहां पर राम भक्त हनुमान जी साक्षात विराजमान हैं। मंदिर में हर श्मंगलवार व शनिवार को भक्तों का मेला लगता है और हनुमान जी की पूजा-अर्चना करने के लिए देश ही नहीं विदेश तक से भक्त आते हैं। मंदिर में पूजा-अर्चना करने मात्र से ही हनुमान जी अपने भक्तों के सभी संकटों को हर लेते हैं, उन्हें दूर कर देते हैं। इसी कारण मंदिर को संकट मोचन हनुमान मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर में पूजा-अर्चना करने वालों पर भक्तों पर हनुमान जी के साथ भगवान राम की कृपा भी बरसती है, जिससे भक्त की हर मनोकामना पूर्ण होती है और सभी कष्ट व संकट दूर हो जाते हैं। हनुमान जन्मोत्सव में मंदिर का जीणो,िर कराने वाले काबुलीवाला परिवार, शिवकुमार शर्मा, डॉ बनी प्रसाद के पुत्र डॉ महेश शर्मा समेत चौपला बाजार के सभी कारोबारियों का सहयोग रहा।

भारत और उसका वैज्ञानिक गौरव विषय पर कार्यक्रम आयोजित

सांसद तेजस्वी सूर्या ने कार्यक्रम में लिया हिस्सा, विषय को लेकर किया गया मंथन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

साहिबाबाद। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी एवं यूथ यूनिटी फाउंडेशन के संस्थापक विनीत वत्स त्यागी द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में भारत के योगदान को प्रदर्शित करने के लिए भारत और उसका वैज्ञानिक गौरव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बेंगलुरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या उपस्थित रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की गरिमामयी उपस्थिति रही ।

विनीत वत्स त्यागी ने आईआईटी कानपुर और ब्रहत रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से अपनी संस्था यूथ यूनिटी फाउंडेशन द्वारा भारत की प्राचीन और समृद्ध वैज्ञानिक विरासत को पुनः उजागर करने एवं युवा पीढ़ी को इससे जोड़ने के उद्देश्य से 'भारत और उसका वैज्ञानिक गौरव' कार्यक्रम कविनगर रामलीला मैदान के जानकी भवन में आयोजित किया। इस कार्यक्रम में भारत के अनेक राज्य, कर्नाटक, तमिलनाडु, ओडिशा, बंगाल, उत्तर प्रदेश इत्यादि राज्यों के विद्यार्थियों ने 2-3 प्रतिभागियों की टीम बनाकर गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान, वास्तुकला और राजनीति विज्ञान सहित विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों में भारत के योगदान पर गहन शोध कर अपनी प्रविष्टियां 3 अप्रैल तक प्रस्तुत की थीं, जिसको आईआईटी कानपुर और आईआईटी दिल्ली के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा प्रविष्टियों का मूल्यांकन कर 30 टीमों को गाजियाबाद आकर अपनी-अपनी शोध प्रस्तुतियां प्रस्तुत करने के लिए चयनित किया गया था।

चयनित 30 टीमों ने प्रतिष्ठित जूरी के समक्ष अपना शोध लाइव प्रस्तुत किया। जिसमे 1 लाख का प्रथम पुरस्कार महाराष्ट्र के सौरभ मोरे, सौरभ पाटिल को, 51000 का द्वितीय पुरस्कार महाराष्ट्र के सिद्धि अविनाश देशमुख, श्रीधर राजशेखर, सिद्धांत संजय देशपांडे को एवं 31000 का तृतीय पुरस्कार उत्तर प्रदेश के मुदित वशिष्ठ, सान्या वत्स को मिला एवं चौथे से दसवें स्थान पर आने वाली प्रतिभागी टीम को 10,000 का नकद पुरस्कार दिया जाएगा और 11वें से 20वें स्थान पर आने वाले प्रतिभागी टीम को 5,000 का नकद पुरस्कार व सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र भी दिया गया ।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर भाजपा महानगर द्वारा श्रद्धांजलि समारोह आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर (बाबा साहब) की जयंती के पावन अवसर पर नवयुग मार्केट स्थित अंबेडकर पार्क में भाजपा महानगर अध्यक्ष श्री मयंक गोयल जी ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर भाजपा अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा 'आज भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के पावन अवसर पर हम सभी उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं। उन्होंने न केवल भारतीय संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र के मूल्यों को भी सशक्त आधार प्रदान किया।

डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, संकल्प और समर्पण की प्रेरणा है। उनके विचार आज भी हमारे मार्गदर्शक हैं। भाजपा उनकी सोच को आत्मसात करते हुए समावेशी समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ हर व्यक्ति को समान अवसर मिले।

मैं समाज के सभी वर्गों से आग्रह करता हूँ कि हम सब मिलकर बाबा साहब के दिखाए रास्ते पर चलें और एक सशक्त, समतामूलक भारत के निर्माण में सहभागी बनें। यह रहा एक संभावित भक्तिपूर्ण और सम्मानपूर्ण वक्तव्य जो पूर्व महापौर आशु वर्मा अंबेडकर जयंती के अवसर पर दे सकते हैं। पूर्व महापौर आशु वर्मा ने कहा 'डॉ. भीमराव अंबेडकर जी न केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार थे, बल्कि करोड़ों शोषितों, वंचितों और पीड़ितों की आवाज भी थे। आज उनकी जयंती पर उनके चरणों में कोटि-कोटि नमन करता हूँ। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भी बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को स्मरण किया। सभी ने बाबा साहब के द्वारा बनाए गए संविधान, सामाजिक न्याय एवं समरसता के मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। भाजपा महानगर संगठन ने इस अवसर पर बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

उत्थान समिति का हिंडन महोत्सव 2025: हिंडन को संरक्षित करने के लिए मील का पत्थर साबित हुआ

हिंडन नदी केवल जल की धारा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत, सभ्यता और भविष्य की जीवन रेखा: सत्येन्द्र सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्थान समिति द्वारा आयोजित हिंडन महोत्सव 2025 का समापन लोहियानगर स्थित हिन्दी भवन में अत्यंत भव्यता व सार्थकता के साथ हुआ। नदी संरक्षण और जनजागरूकता को समर्पित इस आयोजन में कला, संस्कृति, विज्ञान, शिक्षा और समाजसेवा के संगम ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

हिंडन महोत्सव में करीब 600 से अधिक विद्यालयों की भागीदारी, 35 सामाजिक कार्यकताओं का सम्मान, और स्त्रोतस्विनी जैसी भावनात्मक नृत्य-नाटिका के माध्यम से यह कार्यक्रम न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन रहा, बल्कि नदी पुनर्जीवन का एक जन-आंदोलन बन गया, जिससे इस कार्यक्रम में नदी संरक्षण के प्रति समर्पण भाव और जनचेतना का अभूतपूर्व संगम देखने का मिला। एक तरफ जहां समापन समारोह में हिंडन नदी की पीड़ा और पुनर्जीवन पर नदी रो रही है शीर्षक से मार्मिक शॉर्ट फिल्म दिखाकर सभी को नदी बचाने के लिए अपने स्तर से प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। वहीं कथक आधारित अनेक रंगारंग कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति व आलोकनामा में कवि-गीतकार आलोक श्रीवास्तव ने अपने गीत-गजलों से समां बांधा। हिंडन महोत्सव 2025 के शुभारंभ अवसर पर उत्थान समिति के अध्यक्ष व गंगा संरक्षण समिति के सदस्य पर्यावरणविद् सत्येन्द्र सिंह ने अपने स्वागत भाषण में एक भावनात्मक और जागरूकता से भरा संदेश देते हुए कहा कि हिंडन नदी केवल जल की धारा नहीं, हमारी सांस्कृतिक विरासत, सभ्यता की धड़कन और भविष्य की जीवनरेखा है। इसे बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव महज एक आयोजन नहीं, बल्कि एक जनांदोलन का आरंभ है जो समाज के प्रत्येक वर्ग-बच्चों, शिक्षकों, नागरिकों, वैज्ञानिकों, प्रशासनिक अधिकारियों और नीति-निमाताओं को एक साथ लाने का कार्य कर रहा है।

उत्थान समिति के चेयरमैन सत्येन्द्र सिंह ने कहा कि नदी केवल जल की धारा नहीं होती बल्कि वह सभ्यता की धड़कन, संस्कृति की वाहिका और जीवन का मूल स्त्रोत होती है। हिंडन महोत्सव 2025 इसी भावना को समर्पित रहा। इस सांस्कृतिक उत्सव में एक जन-संवाद, वैज्ञानिक प्रस्तुति, सामाजिक जागरण और नीति-निर्माण की प्रस्तावना भी था। इस महोत्सव का आयोजन उत्थान समिति द्वारा पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य नदियों के पुनर्जीवन, पर्यावरण संरक्षण दिलाना है। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। गांधर्व संगीत महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत शुद्ध संस्कृत श्लोक कुन्देन्दुतुषारहारधवला ने पूरे सभागार को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इसके पश्चात कथक नृत्य, गणेश वंदना, और जल गीत की प्रस्तुति ने प्रकृति के सौंदर्य और महत्व को भावनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में श्वेतपत्र व ड्रोन सर्वे के माध्यम से हिंडन की वर्तमान स्थितियों को देखते हुए इसके पुनर्जीवन के समाधान की ओर ठोस पहल करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम में अंत में आयोजक सत्येन्द्र सिंह ने गाज़ियाबाद, मेरठ, सहारनपुर सहित आठ जनपदों के 600 से अधिक विद्यालयों, उनके शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों को इस आयोजन का अभिन्न अंग बनाने के लिए धन्यवाद दिया। बच्चों ने 'पेंटिंग ऑन कॉटन बैग' प्रतियोगिता के जरिए जिस प्रकार के संदेश दिए हैं, वह यह साबित करता है कि आने वाली पीढ़ी पर्यावरण के लिए पहले से अधिक सजग हैं। पेंटिंग ऑन कॉटन बैग प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग करने के लिए प्रमुख शिक्षकों एवं अधिकारियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले अधिकारियों में जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव, खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. अभिषेक, तनुजा शर्मा, रेखा रानी, पूनम शर्मा, वंदना रस्तोगी आदि थे। हरनन्दी प्रहरी सम्मान से 35 नदी योद्धाओं का सम्मान किया गया, जिनमें वकील, वैज्ञानिक, शिक्षक, किसान, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, अफसर और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल थे। इनमें प्रमुख नाम आकाश वशिष्ठ, विक्रांत टोंगड़, सुदीप साहू, सुशील राघव एनजीटी, हिंडन का ड्रोन सर्वेक्षण कराने वाले डॉ. उमर सैफ, पर्यावरण अधिवक्ता निशा राय, रीना त्यागी, प्रदीप दहिया, आशीष कुमार, अंकित गिरी, रवि तिवारी आदि शामिल हैं। कार्यक्रम का समापन पूर्व विधायक कृष्णवीर सिंह सिरोही, संरक्षक राजकुमार सिसौदिया और भानु सिसौदिया सहित सभी अतिथियों के सम्मान के साथ हुआ।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

वाराणसी गैंगरेप ने हिलाया देश

वाराणसी में सामूहिक बलात्कार की दहला देने वाली घटना बेलगाम अपराध के बरक्स कानून के शासन की लाचारगी को रेखांकित करती है। वरना जिस राज्य में लगभग हर रोज सरकार अपराध और अपराधियों के खत्म होने का दावा करती रहती है, वहां आए दिन अपराधों की प्रकृति और ज्यादा विकृत और बेलगाम क्यों होती जा रही है? यह कल्पना भी बेहद तकलीफदेह है कि जिस उत्तर प्रदेश को सबसे सुरक्षित राज्यों में से एक बताया जाता रहा है, वहां भी महिलाएं खुद को जोखिम में पा रही हैं। गौरतलब है कि हाल ही में वाराणसी में एक युवती से तेईस युवकों ने सात दिनों तक सामूहिक बलात्कार किया। युवती को नशीला पदार्थ खिला कर अलग-अलग जगहों पर ले जाकर आरोपियों ने उससे दरिंदगी की। इस घटना के बाद स्वाभाविक ही सवाल उठ रहे हैं कि अगर सबसे चौकस कानून-व्यवस्था के दावे वाले क्षेत्र में आपराधिक तत्त्व इस कदर बेलगाम हैं, तो महिलाएं कहां और कैसे खुद को सुरक्षित महसूस करें। सवाल है कि अगर राज्य सरकार यह दावा करती है कि उसके अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने से आपराधिक मानसिकता वाले लोग अब कोई अपराध करने से डरते हैं तो करीब एक हफ्ते तक तेईस आरोपी एक युवती से लगातार बलात्कार जैसी वारदात को कैसे अंजाम देते रहे। किन वजहों से उनके भीतर कानून का कोई खौफ नहीं था? इस घटना की गंभीरता के मद्देनजर ही खुद प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से वारदात में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। मगर सवाल है कि ऐसी नौबत क्यों आई कि एक जघन्य अपराध के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री को कहना पड़े! राज्य की पुलिस व्यवस्था को खुद ही न केवल दोषियों को सजा दिलाने के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करना चाहिए, बल्कि समूचे राज्य में वास्तव में ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि आपराधिक मानसिकता वाले लोग कोई भी अपराध करने से डरें। अपराधियों के खिलाफ सख्ती के समांतर ज्यादा जरूरी यह भी है कि ऐसा माहौल बनाया जाए, जिसमें अपराध को होने से पहले रोका जा सके और महिलाएं कहीं भी खुद को सुरक्षित महसूस करें।

यूपी बनेगा देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंज

उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति देश भर में चर्चा का विषय है। प्रकृति एवं परमात्मा की असीम अनुकंपा के बावजूद उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था सातवें या आठवें स्थान पर झूलती रही।

इस दौरान इसका कुल आकार भी 12 हजार करोड़ रुपये से लेकर 12.5 हजार करोड़ रुपये के बीच ही रहा। पर, मार्च 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद इसमें अभूतपूर्व बदलाव आया। आज 27.5 हजार करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था के साथ यूपी देश की देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। देश की जीडीपी में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 फीसद है। जीडीपी की ग्रोथ राष्ट्रीय औसत 9.6 फीसद की तुलना में 11.6 फीसद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे 2030 तक देश की नंबर वन अर्थव्यस्था वाला राज्य बनाने को कृत संकल्पित हैं। अभी एक अप्रैल को भी बरेली में एक कार्यक्रम के दौरान इस बात को दोहराया था।एक्सपर्ट्स और संस्थाएं भी अर्थव्यवस्था की तेजी की मुरीद अब तो निजी तौर पर आर्थिक विशेषज्ञ और संस्थाएं भी यह मानने लगी हैं कि उत्तर प्रदेश में विकसित भारत का ग्रोथ इंजन बन सकता है। हाल ही में लखनऊ में योजना विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने भी यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि करीब 56 फीसद युवा आबादी, नौ तरह के अलग कृषि जलवायु क्षेत्र, पानी की भरपूर उपलब्धता आदि के जरिये यह संभव है। उन्होंने अलग-अलग जिलों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए जिस एक्शन प्लान का जिक्र किया था, उस पर योगी सरकार पहले से काम कर रही है। एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना और एक जिला-एक जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) इसकी कड़ी है। अब तो सरकार इससे भी आगे एक जिला एक पकवान के बाबत सोच रही है। ओडीओपी योजना प्रदेश की सफलतम योजना है। इसकी तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भर कर चुके हैं। इंडोनेशिया जैसे देश भी इसकी इसके मुरीद हैं। अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों पर एक नजर नीति आयोग ने राजकोषीय स्थित के संबंध में जारी रिपोर्ट में यूपी को फ्रंट रनर राज्य की श्रेणी में रखा है। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ ने भी कर की प्राप्तियों में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरे स्थान पर रखा है। पिछले पांच वर्षों से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट की स्थित इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने प्रभावी तरीके से कर चोरी, इसके लीकेज को खत्म किया है। इसमें डिजिटलाइजेशन को बढ़ाकर व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऋण और जमा अनुपात (सीडी रेशियो) जो हर दम से प्रदेश की समस्या रही है उसमें भी अच्छा खासा सुधार हुआ है। 2016/2017 में यह 46 फीसद था। 2024 में बढ़कर 61 फीसद हो गया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में सरकार ने इसके लिए 67 से 70 फीसद का लक्ष्य रखा है। अर्थव्यवस्था में सुधार होने से बैंकों ने भी उत्तर प्रदेश के प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस करने में रुचि दिखाई है। आरबी आई की अगस्त 2023 की बुलेटिन के अनुसार फंड आकर्षित करने में 16.2 फीसद की हिस्सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। समग्रता में आप कह सकते हैं कि मुख्यमंत्री योगी की मंशा के मुताबिक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए पूरी मजबूती के साथ चौतरफा प्रयास जारी है।

-अमृत कलश-

अन्तस की प्रतिध्वनि ही भविष्य है

आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री
श्रीपीतांबरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ

ध्यान रखना! बुरी प्रवृत्तियां अधिक सक्रिय होती हैं और वे अच्छे व्यवहार से नष्ट हो सकती हैं। लेकिन अच्छी प्रवृतियां यदि उदासीन हो जाएं तो बुरी प्रवृत्तियां पुनः प्रबल हो जाती हैं... और ये आपके जीवन को नरक बना सकती हैं...क्योंकि अवचेतन इस पर सतत क्रियाशील होता है। आपके सो जाने के बाद भी वह जागता है और आपकी प्रवृति को, स्वभाव को, व्यवहार को संस्कार में बदल देता है। यह इतना अदृश्य ढंग से होता है कि आपको पता ही नहीं चलता कि आप अपने लिए कैसा भविष्य चुन रहे हैं। आपकी धारणा, मेधा और शक्ति, तीनों आपकी प्रवृति से स्वभाव में बदलकर व्यवहार में ले जाती हैं और आपका जीवन उससे सदा प्रभावित होता है...यदि गहन संकल्प का अभाव हुआ तो आपका अवचेतन ही आपको जीते जी नरकगामी बना सकता है।

मनुष्य अपने परिवेश के अधीन होता है। देश, काल और परिस्थितियां उसे गहनता से प्रभावित करती हैं। उसका रहन सहन, लालन पालन, शिक्षा, मित्रमंडली और जीवन में मिले खट्टे मीठे अनुभव, उसे उसके जीवन के मार्ग पर चलाते हैं। किसी का भी जीवन निष्कंटक नहीं होता है। उसके सीखने की प्रक्रिया क्या रूप लेती है, उस पर निर्भर करता है कि व्यक्ति का व्यक्तित्व कैसा होगा और उसका भविष्य कैसा होगा।

ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार मनुष्य के जन्म से पूर्व ही उसका भविष्य लिखा जा चुका होता है। उचित भी है। यही कारण है कि अनेक बार किसी अत्यंत निर्धन परिवार में उत्पन्न होकर भी कोई मनुष्य उच्च प्रशासनिक अधिकारी हो जाता है, राष्ट्र प्रमुख हो जाता है, प्रसिद्ध उद्योगपति हो जाता है, सुप्रसिद्ध संत हो जाता है या अद्वितीय कार्य करने वाला विश्व प्रसिद्ध व्यक्तित्व हो जाता है...इसके विपरीत अनेक बार किसी तपस्वी और शुभकर्म करते हुए सुप्रसिद्ध व्यक्ति के घर उत्पन्न होकर भी कोई व्यक्ति दुरात्मा सिद्ध होता है, किसी बड़े धनिक का पुत्र होकर भी व्यवसाय को नष्ट कर देता है, किसी बड़े नेता के घर जन्म लेकर भी सारी प्रतिष्ठा को धूमिल कर देता है और जन्म जन्मांतरों में अर्जित कुल की परंपराओं, नीतियों, संपत्तियों और स्वाभिमान को धूलधूसरित कर देता है।

इन सबके पीछे देश, काल और परिस्थिति का सिद्धांत कार्य करता है। कर्म का सिद्धांत कार्य करता है। अदृश्य रूप से वह प्रेरक होता है और मनुष्य उसी के अनुरूप कार्य करता है, जिसके फलस्वरूप गति, सुगति या दुर्गति प्राप्त होती है!

कुपुत्र संपूर्ण कुल के संताप का कारण बनता है और सुपुत्र कुलकीर्ति को स्वर्णाक्षरों में लिखा देता है।

भगवान् श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं कि

कर्मणो ह्यापि बोधव्यं बोधव्यं च विकर्मणः।
अकर्मणाश्च बोधव्यं गहनो कर्मणो गतिः।।४/१७।।

अर्थात् स्वार्थ के लिये किया गया कार्य कर्म है और निःस्वार्थ भाव से किया गया कर्म अकर्म है, लेकिन जिस कार्य को नहीं करना चाहिए, जो निषिद्ध हो, उसे करना विकर्म कहलाता है। इसलिए मनुष्य को कर्म, अकर्म और विकर्म का ध्यान रखकर कार्य करना चाहिए। क्योंकि कर्म की गति गहन होती है। जैसे बछड़ा सहस्त्रों गायों के बीच अपनी माता को खोज लेता है, वैसे ही कर्मफल अपने कर्ता को ढूंढ लेता है।

तो क्या मनुष्य कर्म ही न करे...! नहीं, बिना कर्म के तो कुछ होगा ही नहीं। क्योंकि शास्त्र पुनः कहता है कि

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

अर्थात् कर्मशील होने से ही कार्य सिद्ध होते है, केवल कल्पना करने से कुछ नहीं होता। क्योंकि सोए हुए सिंह से मृग आकर नहीं कहता है कि मुझे भोजन बना लो...उसके लिए सिंह को परिश्रम करना होता है।

कहने का तात्पर्य है कि किसी भी स्थिति में कर्मशील मनुष्य अपने लक्ष्य को पा ही लेता है। प्रारब्ध, भाग्य और कर्म मिलकर उसके लक्ष्य की पूर्ति करते हैं। इसलिए कर्म करना ही महत्वपूर्ण है।

हम सभी अपने कर्मबंधन से बंधे हैं। वही जन्म का कारण होता है, वही जीवन का और वही मृत्यु का। वास्तव में कोई भी अपना भविष्य नहीं चुनता। वह अपना व्यसन चुनता है। अभ्यास चुनता है। किसी कार्य को बार-बार करने की प्रवृत्ति किसी व्यक्ति के व्यवहार का भाग बन जाती हैं।

यह एक निरंतर घटित होते रहने वाली प्रक्रिया है। जो देश, काल और परिस्थिति में सीखी जाती रहती है। यह सीख ही स्वभाव बन जाती है और स्वभाव ही व्यवहार में बदल जाता है। इस प्रकार आपकी प्रवृत्ति, आपका व्यसन, आपका अभ्यास, आपकी सीख, आपका स्वभाव चुनती हैं और स्वभाव आपका व्यवहार चुनता है और व्यवहार आपका भविष्य चुनता है। वे अच्छी हों या बुरी...प्रवृत्तियां आपको बार बार किसी विशेष स्थिति में ले जाती हैं और आपके कर्म की साक्षी बनती हैं।

ध्यान रखना! बुरी प्रवृत्तियां अधिक सक्रिय होती हैं और वे अच्छे व्यवहार से नष्ट हो सकती हैं। लेकिन अच्छी प्रवृतियां यदि उदासीन हो जाएं तो बुरी प्रवृत्तियां पुनः प्रबल हो जाती हैं... और ये आपके जीवन को नरक बना सकती हैं...क्योंकि अवचेतन इस पर सतत क्रियाशील होता है। आपके सो जाने के बाद भी वह जागता है और आपकी प्रवृति को, स्वभाव को, व्यवहार को संस्कार में बदल देता है।

यह इतना अदृश्य ढंग से होता है कि आपको पता ही नहीं चलता कि आप अपने लिए कैसा भविष्य चुन रहे हैं। आपकी धारणा, मेधा और शक्ति, तीनों आपकी प्रवृति से स्वभाव में बदलकर व्यवहार में ले जाती हैं और आपका जीवन उससे सदा प्रभावित होता है...यदि गहन संकल्प का अभाव हुआ तो आपका अवचेतन ही आपको जीते जी नरकगामी बना सकता है। इसलिए अपनी प्रवृति पर अंकुश रखने की योग्यता विकसित करो और आत्मानुशासन करना सीखो...वही आपका भविष्य निर्माण करता है और जन्म जन्मांतर का प्रारब्ध भी उसी के अधीन है।

इसलिए बुरी प्रवृत्ति विकसित न हो, उसके लिए सतत प्रयासरत रहें। बुरी संगति से बचें, बुरे साहित्य से बचें, बुरे व्यवहार से बचें, बुरे विचार से बचें...इन सबसे बचना अति दुष्कर कार्य है। जब तक आपके पास श्रेष्ठ संगति का अभाव होगा, बुरी संगति से बचना कठिन होगा। जब तक श्रेष्ठ सुप्रेरक साहित्य नहीं मिलेगा, बुरा साहित्य अपनी पकड़ बनाए रखेगा। जब तक अच्छे व्यवहार के लिए पूर्ण संकल्पित नहीं होंगे, बुरा व्यवहार आचरण में प्रवेश करता रहेगा।

...और बुरा विचार केवल श्रेष्ठ विचार से ही नष्ट किया जा सकता है। इसलिए अपना आहार, व्यवहार, प्रवृत्ति और स्वभाव शुद्ध रखने के लिए संस्कारों को जागृत करने वाले साहित्य, मित्र, गुरु और संत का आश्रय लें....आपका अवचेतन तदनुसार ही आपको मार्गदर्शन करने लगेगा। आपके अन्तस की प्रतिध्वनि ही आपको राह दिखाने लगेगी।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान्‌ राम का दिव्य जीवन)

भाग 14
गतांक से आगे .....

त्रेता के काल में महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज और माता अरुन्धती प्रायः यह विवेचना करते रहते थे और विवेचना का अभिप्रायः केवल यह बना कि सोम कहते हैं वृष्टि को, याग कहते हैं प्रतिका को जब याग करते हैं, उसका सुगन्ध रूप बन जाता है। और, जब उससे वृष्टि होती है, वह वृष्टि ही नाना प्रकार के व्यन्जनों को जन्म देती है, नाना वनस्पतियाँ उसी से पनप रही हैं।

ब्रह्मचारियों की चर्चा

महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज इस प्रकार की विवेचना करते रहते थे, यह विवेचना भी समाप्त हो गयी और ब्रह्मचारी अपने-अपने कक्ष में जा पहुँचे। ब्रह्मचारी जब अपने-अपने कक्ष में जा पहुँचे,तो सायकाल के समय ब्रह्मचारियों का समूह विद्यमान हुआ। ब्रह्मचारियों में यज्ञदत्त ने कहा कि ह्यह्मे साधो! हे भरत! ये आज आचार्य ने हमें जो विवेचनाएँ प्रगट की थीं, इन गतियों की मैंने कई काल में योगियों से चचाएं की थीं। मेरे पिता योगेश्वर थे और वह यही गति धीमी धाराओं को वह बुद्धमंडल स्थली में ले जाते थे और सभी प्राणियों का वह यज्ञ के द्वारा दर्शन करते थे। गार्हपथ्य ने कहा कि जब मैं माता की लोरियों का पान करता,तो मेरे जो पिता थे, नितांग संग रहते और वह शिक्षा देते रहते। वह अपने पूर्वजों के जो शब्दों के साथ जो चित्र वायुमण्डल में गतियाँ कर रहे थे, उनका दिग्दर्शन करते रहते थे। बड़ा विचित्र ब्रह्मचारियों का समूह था, जो अपने-अपने अनुभव की और श्रवण की हुई चर्चा थीं, उनको वह चर्चा में ला रहे थे।''

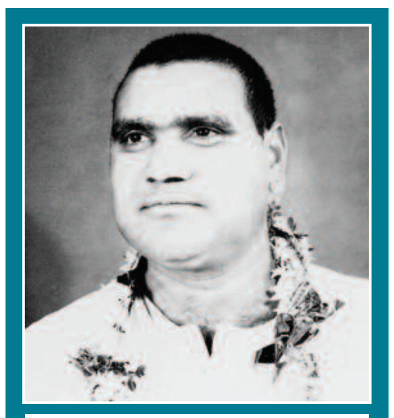

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

भगवान् राम ने कहा कि ''मैंने एक समय अपने महापिता महाराजा दिलीप जी की गाथा को श्रवण किया। मेरे महापिता का नाम दिलीप था, जब वशिष्ठ और ऋषि-मुनियों के कथनानुसार वह राज्य को त्याग करके और नन्दिनी की सेवा करने लगे तो नन्दिनी के विचार और अपने विचारों का तारतम्य मिलाते थे। सिंहराज आता तो उसके विचारों में अपने विचारों की झड़ी लगाते रहते थे। तो हमारे पूर्वज हमारे महापिता कितने वैज्ञानिक और कितने आत्मीयता में रत्त रहे हैं। महाराजा दिलीप के जीवन में यह गाथा आती है,'' भगवान् राम ने कहा, ''यह गाथा आयी कब? जब नन्दिनी हिमालय की कन्दराओं में पहुँची तो वहाँ झरना झर रहा था, जल का स्त्रोत बह रहा था। वहाँ नन्दिनी जल का पान करने लगी। हमारे महापिता उस झरती हुई जलधारा को दृष्टिपात करने लगे, इतने में सिहंराज ने आ करके नन्दिनी पर आक्रमण किया और नन्दिनी पर जैसे ही आक्रमण हुआ, महाराजा दिलीप ने यह दृष्टिपात किया, कि यह क्या हो रहा है? पूर्वज ने कहा, हे सिंहराज! यह नन्दिनी मेरी पूज्य है। इसके पूर्व तू मेरे प्राणों को हनन कर सकता है, नन्दिनी के प्राण उसके पश्चात् हनन हो। वह सिंहराज चिन्तन में लग गया, ऐसा लेखनीबद्ध कहती है। दिलीप जी के विचार कहते हैं कि उन्होंने कहा वह चिन्तन में लग गये और विचार आया कि दिलीप जी को मैंने आहार कर लिया,तो राष्ट्र का और हमारा कौन रक्षक रहेगा। पहले परम्परा के काल में सिंहराज की रक्षा करने वाला कौन है?

प्राणीमात्र की रक्षा करने वाला राजा है, सिंहराज नन्दिनी को त्याग दिया और नन्दिनी को त्याग करके उसके भाव को महाराजा दिलीप जानते थे। बारह वर्ष तक उन्होंने तप किया। उनकी जब तपस्या पूर्ण हो गयी, वशिष्ठ ने याग किया, शृंगीऋषि के द्वारा याग कराया,तब यहाँ रघु का जन्म हुआ।'' राम ब्रह्मचारियों में विद्यमान हो कर अपने पूर्वजों की गाथा का वर्णन कर रहे थे। इसको हम धेनुयाग कहते हैं, धेनुयाग राजा को करना चाहिये। धेनुयाग से समाज ऊँचा बनता है। ब्रह्मचारियों की सभा विसर्जित हुई। प्रवचन सन्दर्भ 25-05 1984 क्रमशः....

बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव से जुडे़ जीवन-संकट

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है। राजस्थान के बाडमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से खड़े हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है, कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है।

भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जुड़ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है।

इस बार बढ़ती गर्मी के पुराने सारे रेकॉर्ड तोड़ देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थन के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्त्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इस विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से 'तीसरा ध्रुव' कहे जानें वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति 'लिटल आइस एज' के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

जाति-धर्म से ऊपर उठकर कार्य करने से मजबूत होगी राष्ट्रीय एकता: हुक्मदेव नारायण

श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में 'सामाजिक समरसता से राष्ट्र का विकास' विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गजरौला। श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय /संस्थान ने सामाजिक सद्भाव के माध्यम से राष्ट्र विकास पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री हुक्मदेव नारायण थे। श्री हुक्मदेव नारायण एक समाजवादी हैं, उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है और उन्हें देश का सर्वश्रेष्ठ सांसद चुना गया है। वे कपड़ा और खाद्य प्रसंस्करण के पूर्व कैबिनेट मंत्री थे।

वेंकटेश्वर समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि, पद्म भूषण से सम्मानित श्री हुक्मदेव नारायण और प्रो चांसलर डॉ. राजीव त्यागी ने देवी सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कुलपति डॉ. केके दवे, रजिस्ट्रार डॉ. पीयूष पांडे, डॉ. मधु चतुर्वेदी और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. टीपी सिंह ने सामाजिक समरसता के माध्यम से राष्ट्र के विकास पर संगोष्ठी का उद्घाटन किया। बाद में, वेंकटेश्वर समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि, प्रो चांसलर डॉ. राजीव त्यागी और वीसी डॉ. केके दवे ने श्री हुक्मदेव नारायण को पटका, पगड़ी, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

तटरक्षक श्री हुक्मदेव नारायण ने कहा कि विकसित भारत और अखंड भारत के सपने को साकार करने के लिए हमें जाति, पंथ, क्षेत्र, धर्म, समुदाय, भाषा से ऊपर उठकर सामाजिक सद्भाव बनाए रखना होगा।

ऐसा होने के लिए हमें राष्ट्र और मानवता के लिए निस्वार्थ बलिदान के लिए तैयार रहना चाहिए। वास्तव में, वास्तविक राष्ट्रीय विकास के लिए हमें वंचित नागरिकों को राष्ट्र के विकास की मुख्यधारा में आने में मदद करनी चाहिए। इसके अलावा, सभी नागरिकों को अखंड भारत के सपने को साकार करने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। वेंकटेश्वर समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि ने दोहराया कि सामाजिक समरसता से भाईचारा, प्रेम और सहानुभूति बढ़ेगी, जिससे राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बढ़ावा मिलेगा।

प्रो चांसलर डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि जाति, क्षेत्र, धर्म, समुदाय से ऊपर उठकर जरूरतमंद लोगों की मदद करने से ही मजबूत और एकजुट भारत का निर्माण होगा। एक दिवसीय सेमिनार को प्रो चांसलर डॉ. राजीव त्यागी, वीसी डॉ. केके दवे, रजिस्ट्रार डॉ. पीयूष पांडे और प्रसिद्ध साहित्यकार व कवियत्री डॉ. मधु चतुर्वेदी ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर अकादमिक डीन डॉ. राजेश सिंह, डॉ. एसएन साहू, डॉ. एलएस रावत, डॉ. योगेश्वर शर्मा, डॉ. वीएन झा, डॉ. एना एरिक ब्राउन, डॉ. मंजरी राणा, डॉ. एस वाल्टर और डॉ. मनीष कुमार शर्मा उपस्थित थे।

डॉ. स्नेहलता गोस्वामी, डॉ. राजवर्धन, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. ओम प्रकाश गोसाई, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. अश्विनी कुमार सक्सैना, डॉ. सतीश गुप्ता, डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी, डॉ. सीपी सिंह, डॉ. बृजकिशोर आदि मौजूद रहे।

इसके अलावा डॉ. अभिषेक, डॉ. चंद्रकांत, डॉ. आकाश, डॉ. प्रवीण कुमार, संजीव कुमार, अनुषा कर्णवाल, स्मिता चंद्रा, हुमा कौशर, पूजा अरी, नीमा बिष्ट, सुमनदीप कौर और हरप्रीत कौर भी मौजूद थे।

हिमानी गरजौला, हिमानी चौहान, पूजा कुमारी, अखिल कुमार, अविनाश कुमार, तहसीर आलम, जुबैर आलम, शुएब रजा, माता प्रसाद, कौशल कुमार, गुरुवचन, अभिषेक राणा सभी मौजूद थे। इस अवसर पर मनोज, सचिन, विकास पांडे और विशम्भर चौहान भी मौजूद थे। मेरठ कैंपस के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह और मीडिया प्रभारी विश्वास राणा भी मौजूद थे। डॉ. ज्योति सिंह ने कार्यक्रम का बहुत अच्छा संचालन किया।

शिक्षा ऋषि वीतराग स्वामी कल्याणदेव जी महाराज को की श्रद्धांजलि अर्पित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोरना। उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शुकतीर्थ धाम में तीर्थ के जीर्णोद्धारक, शिक्षा ऋषि वीतराग स्वामी कल्याणदेव जी महाराज के समाधि मंदिर में संत विभूति को श्रद्धांजलि अर्पित की। महाना ने कहा कि शुकतीर्थ आध्यात्म, संस्कारों एवं संस्कृति की भूमि है। भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम में सिद्ध वटवृक्ष की परिक्रमा तथा श्री शुकदेव मंदिर में पूजा अर्चना कर महाना ने स्वामी कल्याणदेव स्मृति संग्राहलय का अवलोकन किया। उन्होंने पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज का अभिनंदन कर आशीर्वाद

लिया। स्वामी जी ने उन्हें शाल, माला, दुपट्टा पहनाकर प्रसाद तथा डाक विभाग द्वारा शुकतीर्थ पर जारी स्पेशल कवर, भागवत ग्रंथ और तीर्थ का साहित्य भेंट किया।

विधानसभा अध्यक्ष महाना ने कहा कि शुकतीर्थ पुण्य भूमि है। संत दर्शन सौभाग्य से मिलता है। मनुष्य रुप में भारत माता की गोद में जन्म हुआ, जो ऋषियों के तप, त्याग और सेवा की भूमि है। पूज्य महाराज जी का आशीर्वाद पाकर धन्य हूं। सत्संग से आचरण और व्यवहार में पवित्रता आती है, जिससे व्यक्ति सद्गुणों से संपन्न बनता है, जो मनुष्य की सच्ची पूंजी है। आचार्य जीसी उप्रेती, कथा व्यास अचल कृष्ण शास्त्री, सुमन शास्त्री, आचार्य अरुण ने मंत्र पाठ किया। राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल, सांसद चंदन चौहान, विधायक मिथलेश पाल, जिला पंचायत अध्यक्ष डा. वीरपाल निर्वाल, ट्रस्टी ओमदत्त देव, एसडीएम जयेंद्र कुमार, सीओ डा. रविशंकर मिश्रा, तहसीलदार सतीश चंद्र, चौकी इंचार्ज रणबीर सिंह, दीपक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने किया पोस्टर का विमोचन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

दिल्ली। भगवान परशुराम राष्ट्रीय पंडित परिषद ट्रस्ट द्वारा 27 अप्रैल को शिक्षा नगरी कोटा में एक दिवसीय ज्योतिष संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. कार्ष्णी भरत महाराज ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को निमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया है। इस अवसर पर श्रीबिड़ला ने आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया। कार्यक्रम प्रभारी पंडित सत्यम शर्मा ने बताया कि संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश गौड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आचार्य पंडित ताराचंद शास्त्री, राष्ट्रीय महा सचिव आचार्य पंडित ओपी शास्त्री व राष्ट्रीय संगठन मंत्री आचार्य सुरेश शर्मा, की अगुवाई में आयोजन की सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। राजस्थान प्रदेश प्रभारी पंडित हरिप्रसाद गौड़ ने बताया कि संगोष्ठी में प्रख्यात संतों, महंतों व मूर्धन्य विद्वान इस अवसर पर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सनातन संस्कृति एवं ज्योतिष का भविष्य विषय पर चर्चा करेंगे और अपना मत व्यक्त करेंगे।

संत निरंकारी मिशन ने किया मानव एकता दिवस का आयोजन

दिल्ली। आध्यात्मिकता ही मानव एकता को मजबूती दे सकती है तथा मानव को मानव के निकट लाकर आपसी प्रेम और सौहार्द का वातावरण बना सकी है। इसी मन्तव्य से सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के आशीर्वाद से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ह्यमानव एकता दिवसह्ण का आयोजन 24 अप्रैल, 2025 को जहाँ एक ओर ग्राउंड नं0 8, निरंकारी चौक, बुराड़ी में किया जायेगा वहीं भारतवर्ष के प्रत्येक ब्राँचों में भी श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होकर बाबा गुरबचन सिंह जी एवं मिशन के अनन्य भक्त चाचा प्रताप सिंह जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगें और उनके महान जीवन से प्रेरणा लेगें। संत निरंकारी मण्डल के सचिव एवं समाज कल्याण विभाग के प्रभारी आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि सतगुरु की असीम कृपा से इस वर्ष भी सम्पूर्ण विश्व के लगभग 500 से अधिक स्थानों पर संत निरंकारी मिशन की समाज कल्याण शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में रक्तदान शिविर की अविरल श्रृंखलाओं का व्यापक स्तर पर आयोजन किया जायेगा जिसमें लगभग 50,000 से अधिक रक्तदाता मानवता की भलाई

हेतु रक्तदान कर निःस्वार्थ सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। दिल्ली के बुराड़ी स्थित ग्राउंड नंबर 8 में प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे आयोजित होने वाले इस रक्तदान शिविर में रक्त संग्रहित करने हेतु विभिन्न अस्पतालों के प्रशिक्षित डाक्टर एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की टीम सम्मिलित होंगी। साथ ही देश के अन्य राज्यों में भी आयोजित रक्तदान शिविरों में स्थानीय अस्पतालों के डाक्टर एवं नर्स रक्त संग्रहित करने हेतु इस सेवा को निभाने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सभी स्थानों पर सत्संग कार्यक्रम का भी आयोजन किया जायेगा। जैसा कि सर्वविदित ही है कि युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी समाज कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। प्रत्येक भक्त के जीवन को वास्तविक रूप में एक व्यावहारिक दिशा प्रदान की जिसके लिए मानवता उनकी सदैव ही ऋणी रहेगी। युगद्रष्टा बाबा हरदेव सिंह जी द्वारा सन-1986 से आरम्भ हुई परोपकार की यह मुहिम, महाअभियान के रूप में आज अपने चरमोत्कर्ष पर है। पिछले लगभग 4 दशकों में आयोजित 8644 शिविरों में 14,05,177 युनिट रक्त मानवमात्र की भलाई हेतु दिया जा चुका है और यह सेवाएं निरंतर जारी है। निश्चित रूप में लोक कल्याण के लिए चलाया जा रहा यह अभियान निरंकारी सतगुरु की प्रदत्त सिखलाइयो को दशार्ते हुए एक दिव्य संदेश प्रेषित कर रहा है जिससे हर प्राणी प्रेरणा प्राप्त कर अपने जीवन को कृतार्थ कर रहा है।

उत्पादन बढ़ाने को गन्ना किसानों को दिया जाएगा हाईटेक तरीके से प्रशिक्षण

गन्ना किसानों की स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण से बढ़ेगी उनकी आमदनी तथा खेती के तकनीकी स्तर पर होगा सुधार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। गन्ना आयुक्त द्वारा बताया गया कि मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा गन्ने की उत्पादकता बढ़ाने, लागत घटाने तथा कृषकों की आमदनी बढ़ाने के लिए कृषकों को नवीन तकनीकों से जोड़ने के लिए उनका प्रशिक्षण कराने के निर्देश दिये गये थे, जिसके क्रम में मा. गन्ना मंत्री एवं प्रमुख सचिव, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के मार्गदर्शन में किसानों का व्यापक प्रशिक्षण कराने के लिए ''मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम'' तैयार किया गया है तथा इसकी विस्तृत गाइड लाइन दिनांक 01.04.2025 को निर्गत कर दी गयी है। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश की 152 गन्ना विकास परिषदो में प्रगतिशील किसानों, विभागीय/चीनी मिल कार्मिकों में से योग्य व्यक्तियों को मास्टर टेज्नर चयनित किया जायेगा। इन मास्टर ट्र्ज्नर्स को 03 दिवस की विस्तृत ट्र्जेनिंग दी जायेगी, जिसमें उन्हें विभागीय योजनाओं, उन्नत गन्ना किस्मों की पहचान व गुण, कृषि निवेशों आदि की उपलब्धता एवं उन पर अनुमन्य छूट, सहफसली खेती, ड्रिप सिंचाई, मृदा परीक्षण, संतुलित उर्वरकों के प्रयोग, बीज उपचार एवं भूमि उपचार का महत्व व विधियां, गन्ने में लगने वाले रोग एवं कीट की पहचान, नियंत्रण एवं बचाव आदि से सम्बन्धित बिन्दुओं पर प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके पश्चात् यह मास्टर ट्र्ज्नर्स अपने-अपने क्षेत्र में विभागीय देख-रेख में गन्ना किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करेगें। प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने तथा गुणवत्तापूर्ण ट्र्जेनिंग के लिए विषय विशेषज्ञों एवं मास्टर्स ट्र्ज्नर को विस्तृत प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था भी की गई है। उक्त प्रशिक्षण की अवधि 06 माह निर्धारित की गयी है, जिसमें न्याय पंचायत को इकाई मानकर न्याय पंचायतवार प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये जायेंगे। प्रत्येक प्रशिक्षण हेतु 50 कृषक शामिल किये जायेगें, प्रशिक्षण कार्यक्रम निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्रों, गन्ना शोध संस्थानों, गन्ना किसान संस्थानों पर एवं स्थानीय स्तर पर सर्वाधिक उत्पादन लेने वाले गन्ना किसानों के खेत के आस-पास आयोजित किए जाएंगे, जिससे किसानों को प्रशिक्षण स्थल तक आवागमन में आसानी हो। विभागीय अधिकारियों द्वारा सतत निगरानी की जाएगी ताकि कार्यक्रम के उद्देश्य सफलतापूर्वक पूर्ण हों।

इस विशेष कार्यक्रम से किसानों को व्यापक प्रशिक्षण दिया जायेगा, जो गन्ने की उत्पादकता व आय में वृद्धि को बढ़ावा देगा, जिससे गन्ना खेती में तकनीकी सुधार हो सकेगा। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत शामली, पीलीभीत एवं बलरामपुर जिले में मास्टर ट्र्ज्नर्स का प्रशिक्षण दिनांक 07.04.2025 से प्रारम्भ हो चुका है एवं अन्य जिलों के कार्यक्रम की तिथियां भी प्राप्त हो चुकी हैं और यह प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यापक रूप से पूरे प्रदेश में क्रियान्वित किया जा रहा है।

मैं काशी का हूं और काशी मेरी है: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 3900 करोड़ की 44 परियोजनाओं का किया शिलान्यास एवं लोकार्पण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। काशीवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने 3900 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मेहंदीगंज में आयोजित विशाल जनसभा में पीएम ने भोजपुरी में भी काशीवासियों से संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने बार-बार काशी के प्रति अपने गहरे लगाव को दोहराया। उन्होंने कहा कि "काशी मेरी है और मैं काशी का हूं"।

3900 करोड़ की 44 परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

पीएम ने काशी और पूर्वांचल के लिए 3900 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें कनेक्टिविटी को मजबूत करने वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, गांव-गांव तक नल से जल पहुंचाने की योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और खेल के क्षेत्र में नई पहल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं पूर्वांचल को विकसित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी। काशी के हर निवासी को इन योजनाओं से लाभ मिलेगा। इन परियोजनाओं में लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट के विस्तार, भिखारीपुर और मंडुआडीह में फ्लाईओवर और बनारस-सारनाथ को जोड़ने वाला नया पुल जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स शामिल हैं।

भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश

पीएम ने बनास डेयरी के पशुपालकों को 106 करोड़ रुपये की बोनस राशि हस्तांतरित की। उन्होंने इसे पशुपालकों की मेहनत का पुरस्कार बताया और कहा कि ये कोई उपहार नहीं, बल्कि आपकी तपस्या का फल है। बनास डेयरी ने काशी में हजारों परिवारों की आर्थिक स्थिति को बदला है, खासकर महिलाओं को सशक्त बनाकर। पीएम ने कहा कि पूर्वांचल की अनेक बहनें अब लखपति दीदी बन चुकी हैं। पहले गुजारे की चिंता थी, अब उनके कदम खुशहाली की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, जिसमें पिछले 10 वर्षों में 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बनास डेयरी काशी संकुल 1 लाख किसानों से दूध संग्रह कर रहा है और गीर गायों का वितरण कर पशुपालकों को सशक्त बना रहा है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी से काशी की मिली नई रफ्तार

प्रधानमंत्री ने वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी पर जोर देते हुए बताया कि पिछले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में 45 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। इनमें फुलवरिया फ्लाईओवर, रिंगरोड, और गाजीपुर, जौनपुर, मिजार्पुर जैसे क्षेत्रों को जोड़ने वाले चौड़े रास्ते शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पहले छोटे-छोटे त्योहारों पर भी जाम लग जाता था। अब रास्ते चौड़े हुए हैं, समय बच रहा है। लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट के विस्तार के साथ-साथ 6 लेन का अंडरग्राउंड टनल, भिखारीपुर और मंडुआडीह में फ्लाईओवर और बनारस-सारनाथ को जोड़ने वाला नया पुल जैसे प्रोजेक्ट्स शुरू किए गए हैं। पीएम ने काशी में शुरू होने वाले सिटी रोपवे का भी जिक्र किया, जो इसे दुनिया के चुनिंदा शहरों में शामिल करेगा।

अब इलाज के लिए न जमीन बेचनी पड़ेगी, न कर्ज लेना पड़ेगा

प्रधानमंत्री ने आयुष्मान वय वंदना कार्ड का भी वितरण किया, जिनमें दिनेश कुमार रावत, राजेंद्र प्रसाद और दुर्गावती शामिल थे। इस योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। पीएम ने कहा कि आज बुजुर्गों के चेहरों पर संतोष का भाव मेरे लिए इस योजना की सबसे बड़ी सफलता है। अब इलाज के लिए न जमीन बेचनी पड़ेगी, न कर्ज लेना पड़ेगा। आपके इलाज का खर्च अब सरकार उठाएगी। उन्होंने बताया कि काशी में अब तक 50 हजार आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों को राहत मिली है।

- मेहंदीगंज में आयोजित जनसभा को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित
- बोले– यूपी केवल संभावना की धरती नहीं, अब सामर्थ्य और सिद्धियों की संकल्प भूमि बन चुकी है
- भारत की आत्मा उसकी विविधता में बसती है और काशी उसकी सबसे सुंदर तस्वीर : मोदी
- वाराणसी में विकास, इन्फ्रास्ट्रक्चर का कोई भी काम होता है तो इसका लाभ पूरे पूर्वांचल के नौजवानों को होता है : मोदी

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

संबोधन में पीएम ने महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती को याद किया और उनके नारी सशक्तिकरण और सामाजिक चेतना के प्रयासों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि महात्मा फुले और सावित्री बाई फुले ने नारी शक्ति के आत्मविश्वास और समाज कल्याण के लिए जीवन समर्पित किया। हम उनके संकल्पों को आगे बढ़ा रहे हैं।

पीएम ने सरकार के 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को दोहराया और इसे परिवारवाद की राजनीति से अलग बताया। उन्होंने कहा कि जो लोग केवल सत्ता हथियाने के लिए दिन रात खेल खेलते हैं उनका सिद्धांत है 'परिवार का साथ परिवार का विकास'। प्रधानमंत्री ने पूर्वांचल की मेहनतकश महिलाओं की प्रशंसा की जो बनास डेयरी के माध्यम से नई मिसाल बन रही हैं।

काशी के युवा ओलंपिक में मेडल चमकाकर देश का गौरव बढ़ाएंगे

प्रधानमंत्री ने काशी के युवाओं को खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार है और काशी के नौजवानों को अभी से मेहनत शुरू करनी होगी। काशी में नए स्टेडियम और स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनाए जा रहे हैं, ताकि युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण की सुविधा मिले। पीएम ने कहा कि काशी के युवा ओलंपिक में मेडल चमकाकर देश का गौरव बढ़ाएंगे।

विकास और विरासत का अनूठा संगम है बनारस

पीएम ने काशी को भारत की आत्मा और विविधता की सबसे खूबसूरत तस्वीर बताया। उन्होंने कहा कि काशी के हर मोहल्ले में भारत का अलग रंग और संस्कृति दिखती है। काशी तमिल संगमम जैसे आयोजनों ने एकता के सूत्र को मजबूत किया है। उन्होंने प्रस्तावित एकता मॉल का जिक्र किया, जहां भारत के सभी जिलों के उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे।

पीएम ने यूपी के बदलते आर्थिक नक्शे की भी चर्चा की और कहा कि यूपी अब केवल संभावनाओं की धरती नहीं, बल्कि सामर्थ्य और सिद्धियों की संकल्प भूमि है।

जीआई टैग से मिलेगी काशी की कला को वैश्विक पहचान

प्रधानमंत्री ने रमेश कुमार, अनिल कुमार और छिद्दु को जीआई पंजीकृत प्रमाणपत्र सौंपे। उन्होंने बताया कि वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों के 30 से अधिक उत्पादों को जीआई टैग प्रदान किया गया है, जिनमें तबला, शहनाई, ठंडई, लाल भरुआ मिर्च, लाल पेड़ा और तिरंगा बर्फी शामिल हैं। पीएम ने कहा कि जीआई टैग केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि हमारी मिट्टी की पहचान का पासपोर्ट है। ये काशी के हुनर को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाएगा। उन्होंने यूपी को जीआई टैगिंग में देश में नंबर वन बताया और कहा कि यह स्थानीय कारीगरों और उत्पादकों के लिए गर्व का क्षण है।

जौने काशी के स्वयं महादेव चलावेलन...

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में काशी के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में काशी ने विकास की नई गति पकड़ी है। उन्होंने कहा कि काशी अब केवल पुरातन नहीं, बल्कि प्रगतिशील भी है। इसने आधुनिकता को अपनाया है, विरासत को संजोया है और भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए मजबूत कदम उठाए हैं। पीएम ने काशी को पूर्वांचल के आर्थिक नक्शे का केंद्र बताया और कहा, 'जौने काशी के स्वयं महादेव चलावेलन, आज उहे काशी पूर्वांचल के विकास के रथ के खींचत हौ।' उन्होंने काशी की सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक बुनियादी ढांचे के सामंजस्य को भारत के विकास का एक अनूठा मॉडल करार दिया।

यूपी की मिट्टी की खुशबू अब सरहदों के पार जाएगी

प्रधानमंत्री ने मेड इन इंडिया की वैश्विक पहचान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यूपी के उत्पाद अब ग्लोबल ब्रांड बन रहे हैं। जीआई टैग ने स्थानीय उत्पादों को नई बुलंदियों तक पहुंचाया है। यूपी देश में जीआई टैगिंग में पहले स्थान पर है। जौनपुर की इमरती, मथुरा की सांझी कला, पीलीभीत की बांसुरी और लखीमपुर खीरी की थारू जरदोजी जैसे उत्पादों को जीआई टैग मिला है। पीएम ने कहा कि यूपी की मिट्टी की खुशबू अब सरहदों के पार जाएगी।

जो काशी को सहेजता है, वो भारत की आत्मा को सहेजता है

प्रधानमंत्री ने काशी को विकास और विरासत के संगम का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि काशी की पुरातन आत्मा को आधुनिक काया से जोड़ते रहना हमारा दायित्व है। काशी न केवल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है, बल्कि अब यह आर्थिक और सामाजिक प्रगति का भी नेतृत्व कर रही है। पीएम ने काशीवासियों से विकास की इस यात्रा में साथ देने का आ'ान किया और विश्वास जताया कि काशी पूरे भारत के लिए प्रेरणा बनेगी। पीएम ने काशी और पूर्वांचल के लोगों को इन विकास कार्यों के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि जो काशी को सहेजता है, वो भारत की आत्मा को सहेजता है। हमें काशी को निरंतर सशक्त और स्वपनिल बनाए रखना है। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्रीगण सुरेश खन्ना, अरविंद कुमार शर्मा, अनिल राजभर, रविन्द्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र दयालू, विधायकगण डॉ नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, डॉ अवधेश सिंह, टी राम, डॉ सुनील पटेल, बनास डेयरी के अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सीएम योगी की मॉनीटरिंग से तेजी से निस्तारित हो रहे राजस्व संबंधी वाद

अन्नदाताओं व जनता के विचारधीन मामलों के निस्तारण में आगरा, गोरखपुर और वाराणसी मंडल ने मारी बाजी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त मॉनीटरिंग और दूरदर्शी सोच से प्रदेश में दर्ज होने वाले राजस्व संबंधी मामलों में गिरावट दर्ज की गयी है जबकि इन मामलों के निपटारे में उल्लेखनीय प्रगति देखी गयी है। इससे जहां एक ओर प्रदेश के अन्नदाताओं को त्वरित न्याय और राहत मिल रही है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ी है। प्रदेश में राजस्व संबंधी मामलों के निस्तारण में यही रफ्तार रही, तो प्रदेश के अन्नदाताओं समेत आमजन बड़ी राहत मिलेगी और उत्तर प्रदेश सशक्त प्रदेश बनकर उभरेगा।

वित्तीय वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में प्रदेशभर के सभी मंडलीय न्यायालयों में राजस्व संबंधी विचाराधीन वादों की संख्या में गिरावट देखी गई है। 1 अप्रैल 2024 तक मंडलीय न्यायालयों में जहां कुल 1,29,296 वाद विचाराधीन थे, वहीं 1 अप्रैल 2025 तक यह संख्या घटकर 1,15,319 पर आ गई। यह आकंड़ा दशार्ता है कि प्रदेश में पिछले एक वर्ष में 13,977 राजस्व संबंधी विचाराधीन मामले कम हुए हैं। वहीं 3 वर्ष से अधिक 5 वर्ष से कम अवधि के लंबित वादों की संख्या जहां वर्ष-24 में 13,797 थी, वहीं यह संख्या घटकर अप्रैल-25 में 8,832 हो गयी है। इसी तरह 5 वर्ष से अधिक अवधि के लंबित वादों की संख्या वर्ष-24 में 70,336 थी, जो घटकर अप्रैल-25 में 51,473 हो गयी है। यह योगी सरकार की पारदर्शिता और योजनाओं को ही असर है कि प्रदेश में लगातार राजस्व संबंधी वादों में कमी आ रही है।

वहीं प्रदेश के 18 मंडलों में से आगरा मंडल ने सबसे अधिक 3,381 मामलों का निस्तारण किया, जो कि प्रदेश में सर्वाधिक है। इसके बाद गोरखपुर मंडल ने 3,222 मामलों और वाराणसी मंडल ने 2,897 मामलों का समाधान किया। ये आंकड़े दशार्ते हैं कि सरकार की प्राथमिकता सूची में किसान सबसे ऊपर हैं और उन्हें त्वरित न्याय मिलना सुनिश्चित किया जा रहा है। आगरा मंडल में जहां पिछले वर्ष 10,335 मामले लंबित थे, वहीं अब यह संख्या घटकर 6,954 रह गई है। गोरखपुर मंडल में भी 14,002 मामलों से गिरकर संख्या 10,780 तक पहुंच गई है। वाराणसी में 17,106 मामलों से संख्या घटकर 14,209 रह गई है। यह अपने आप में एक मिसाल है कि किस तरह प्रशासन ने समयबद्ध कार्रवाई कर किसानों के साथ आमजन मानस को राहत दी है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी हाल में भूमि से जुड़े मामलों को अनदेखा न किया जाए।

ग्रामीण युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के कौशल से जोड़ेगी योगी सरकार

ग्रामीण युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण देकर उच्च वेतन वाली नौकरियों का मौका मिलेगा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने दीन दयाल उपाध्याय-ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) को एक नए वैश्विक दृष्टिकोण के साथ पुनर्जनित करने की शुरूआत कर दी है। योगी सरकार ग्रामीण युवाओं, विशेष रूप से महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण देकर उन्हें उच्च वेतन वाली नौकरियों से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रही है। विभाग इसके लिए आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना इसी महीने तैयार कर लेगा। योगी सरकार का यह कदम उत्तर प्रदेश को कौशल विकास के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक अनूठी पहल है। योगी सरकार ने मिशन की सफलता के लिए अधिकारियों और परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों की क्षमता वृद्धि पर विशेष ध्यान दे रही है। अप्रैल 2025 में कार्यशालाओं का आयोजन और परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ नियमित संवाद से प्रशिक्षण प्रणाली को और प्रभावी बनाया जाएगा। यह युवाओं को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने में मदद करेगा, जो वैश्विक बाजार की मांगों को पूरा कर सके। सरकार ने अन्य देशों और राज्यों की उन्नत कार्यप्रणालियों का अध्ययन शुरू किया है, ताकि उत्तर प्रदेश की कौशल विकास प्रणाली को विश्वस्तरीय बनाया जा सके। साथ ही, उद्योगों के साथ दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर प्रशिक्षित युवाओं को शत-प्रतिशत रोजगार दिलाने की योजना है। यह कदम ग्रामीण युवाओं को वैश्विक उद्यमों के लिए तैयार करेगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश कौशल विकास विभाग इस महीने कार्ययोजना तैयार कर लेगी। बीते दिनों हुए विभाग की समीक्षा बैठक में इस योजना पर गहनता से चर्चा की गई और इस वित्तीय वर्ष के लिए विभाग की कार्ययोजना जल्द बनाने के निर्देश दिए गए, जिससे मिशन के कार्यों की निरंतरता बनी रहे। विभाग डीडीयू-जीकेवाई के लिए वैश्विक मानकों के प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की तैयारी में है।

ग्रामीण युवाओं को वैश्विक उद्योगों के लिए तैयार करेगी योगी सरकार

योगी सरकार इस योजना के तहत कम से कम 75 प्रतिशत प्रशिक्षुओं को न्यूनतम 12,000 रुपये मासिक वेतन वाली नौकरियां दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। खास तौर पर ग्रामीण महिलाओं को इसमें शामिल करने पर जोर है, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त होकर परिवार और समाज को मजबूत करें। ग्रामीण युवाओं को वैश्विक उद्योगों के लिए तैयार कर के न केवल स्थानीय रोजगार को बढ़ाने पर जोर दे रही है, बल्कि राज्य को कुशल कार्यबल का केंद्र बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है।

भविष्य की जरूरतों के अनुसार होगा लखनऊ में 'इंटरनेशनल कन्वेंशन व एग्जिबिशन सेंटर' का निर्माण

योगी सरकार ने अवध विहार योजना के अंतर्गत इंटरनेशनल कन्वेंशन व एग्जिबिशन सेंटर के निर्माण का खाका किया तैयार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने राजधानी लखनऊ में इंटरनेशनल कन्वेंशन व एग्जिबिशन सेंटर का निर्माण व विकास भविष्य की जरूरतों अनुरूप करने जा रही है। अवध विहार योजना के अंतर्गत होने वाले इस निर्माण व विकास कार्य को वैश्विक मानकों के अनुसार पूरा करने पर योगी सरकार का फोकस है। इस बात को ध्यान में रखकर नियोजन विभाग ने खाका तैयार कर निर्माण कार्य की तैयारियां शुरू कर दी हैं। योजना के अनुसार, 10 हजार लोगों की कुल क्षमता वाले इंटरनेशनल एग्जिबिशन व कन्वेंशन सेंटर का निर्माण 1.32 लाख स्क्वेयर मीटर क्षेत्र में होगा। इसमें 2500 लोगों के बैठने की क्षमता वाले ऑडिटोरियम समेत 4 एग्जिबिशन हॉल समेत विभिन्न प्रकार के निर्माण व विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा। इन कार्यों को पूरा करने के लिए 18 महीने की समयावधि तय की गई है।

- परियोजना के अंतर्गत 1.32 लाख स्क्वेयर मीटर क्षेत्र में 10 हजार लोगों की क्षमता वाले एग्जिबिशन व कन्वेंशन सेंटर का होगा निर्माण

ईपीसी मोड पर निर्माण कार्य को किया जाएगा पूरा

इंटरनेशनल कन्वेंशन व एग्जिबिशन सेंटर का निर्माण नियोजन विभाग द्वारा इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट व कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड पर किया जाएगा। कन्वेंशन सेंटर व ऑडिटोरियम बिल्डिंग के बेसमेंट में बड़ी पार्किंग का निर्माण होगा जिसमें टू व्हीलर, फोर व्हीलर समेत बसों व बड़े वाहनों की पार्किंग के लिए भी पर्याप्त जगह होगी। इसके अतिरिक्त, सर्विस रूम, ड्राइवर लाउंज, टॉयलेट ब्लॉक्स, वाकओवर पाथ-वे तथा 35 मीटर ऊंचाई वाले 4 क्लॉक टॉवरों का निर्माण किया जाएगा।

कस्टमाइज्ड आर्ट वर्क को भी किया जाएगा इंस्टॉल

परियोजना के अनुसार मुख्य भवन के साथ ही परिसर में एडमिनिस्ट्रेशन समेत विभिन्न प्रकार के ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही, परिसर की चारदीवारी को स्लाइडिंग गेट्स युक्त बनाया जाएगा। परिसर में उत्तम प्रकाश व्यवस्था, वातानुकूलन व्यवस्था और हरियाली सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम, वॉटर व सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, एलईडी वॉल, इनडोर-आउटडोर डिजिटल साइनेजेस, एक्स-रे बैगेज स्कैनर, कस्टमाइज्ड आर्ट वर्क, वाईफाई, फायर फाइटिंग युनिट तथा इंटीग्रेटेड बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम जैसी सुविधाओं से युक्त किया जाएगा।

वैश्विक मानकों के अनुरूप होगा निर्माण, बड़े आयोजनों की मेजबानी का बनेगा माध्यम

अवध विहार योजना के अंतर्गत बनने वाले इंटरनेशनल कन्वेंशन व एग्जिबिशन सेंटर के निर्माण व विकास कार्यों में 1058.22 करोड़ रुपए (जीएसटी अतिरिक्त) की धनराशि खर्च की जाएगी। ऐसे में, निर्माण व विकास कार्यों से जुड़ा हर एक कार्य उच्च गुणवत्तापूर्ण तथा वैश्विक मानकों के अनुरूप हो इस पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। इंटरनेशनल कन्वेंशन व एग्जिबिशन सेंटर का निर्माण पूरा होने पर यह देश के उन स्थानों में शामिल होगा जो भविष्य में बड़े राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों को सफलतापूर्वक मेजबानी का माध्यम बनेगा। यही कारण है कि इंटरनेशनल कन्वेंशन व एग्जिबिशन सेंटर को अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त किया जाएगा। इसमें आधुनिक ऑडियो-वीजुअल सिस्टम, विश्वस्तरीय डिजिटल पब्लिक एड्रेस सिस्टम के साथ ही 300 किलोवॉट पावर सौर ऊर्जा चालित पावर स्टेशन से भी युक्त करने की तैयारी है।

सेहत/स्वास्थ्य

मरीज के लिए जानलेवा हो सकती है मेनिनजाइटिस, इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

मस्तिष्क को शरीर का प्रमुख अंग माना जाता है। क्योंकि यह शरीर के न सिर्फ बाहरी बल्कि अंदरुनी काम भी कंट्रोल करता है। मेनिनजाइटिस की समस्या होने पर मरीज को फौरन इलाज की जरूरत होती है।

अनन्या मिश्रा

मस्तिष्क को शरीर का प्रमुख अंग माना जाता है। क्योंकि यह शरीर के न सिर्फ बाहरी बल्कि अंदरुनी काम भी कंट्रोल करता है। अगर दिमाग में कोई खराबी आ जाए, तो शरीर में भी समस्या होने लगती है। बता दें कि मेनिनजाइटिस भी दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड से जुड़ी एक समस्या है। इस समस्या के तहत दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड के आसपास के menfinges में इंफेक्शन हो जाता है। इस बीमारी में पीड़ित व्यक्ति को तुरंत इलाज की जरूरत होती है। अगर समय पर इलाज न दिया जाए, तो शरीर कई काम करना बंद करने लगता है। यह बीमारी जानलेवा भी साबित हो सकती हैं। आइए जानते हैं इस बीमारी के लक्षण के बारे में।

3 इंफेक्शन से होती है यह बीमारी

मेनिनजाइटिस होने के पीछे का कारण इंफेक्शन होता है। यह वायरस फंगल इंफेक्शन और बैक्टीरिया की वजह से हो सकता है। ठल्र के अनुसार मेनिनजाइटिस के लिए सबसे ज्यादा वायरल इंफेक्शन जिम्मेदार देखा गया है। वहीं दूसरे इंफेक्शन अधिक खतरनाक हो सकता है।

मेनिनजाइटिस के लक्षण

लाइट से सेंसिटिविटी
ज्यादा नींद आना
सांस की दिक्कत
गर्दन में अकड़न
चिड़चिड़ापन
भूख मरना
डायरिया
सिरदर्द
बुखार
उल्टी

बच्चों में मेनिनजाइटिस के लक्षण
बच्चा शांत ना होना
शरीर में अकड़न
चिड़चिड़ापन
चल ना पाना
ज्यादा सोना
तेज रोना
बुखार

फैल सकता है मेनिनजाइटिस

मेनिनजाइटिस एक संक्रामक हो सकता है। इसके कुछ लक्षण एक मरीज से दूसरे मरीज तक फैल सकते हैं। ठल्र के अनुसार, मरीज को छींकने, खांसने या चुंबन लेने से एक स्वस्थ व्यक्ति भी संक्रमित हो सकता है। इंफेक्शन फैलाने वाले मरीजों के अक्सर गले या नाक में यह वायरस और बैक्टीरिया मौजूद रहता है।

शरीर बंद कर देता है ये काम

मेनिनजाइटिस की वजह से शरीर को काफी ज्यादा नुकसान झेलना पड़ सकता है। अगर समय से इसका इलाज न किया जाए, तो सुनने की क्षमता, देखने की क्षमता और याददाश्त कम हो सकती है। जिसके कारण माइग्रेन, ब्रेन डैमेज, दौरा पड़ना, सबड्यूरल एम्पायमा और हाइड्रोसेफालस भी हो सकता है।

ब्यूटी / फैशन

सॉफ्ट और क्लीन त्वचा पाने के लिए बनाएं होममेड फेस क्लींजर, शीशे जैसा दमकेगा चेहरा

जब मार्केट के केमिकल वाले फेस वॉश या क्लींजर का इस्तेमाल करती हैं, तो इसका स्किन पर बुरा असर डालती है। लेकिन अगर आप भी सॉफ्ट और क्लीन स्किन पाना चाहती हैं, तो इसके लिए घर पर होममेड क्लींजर बना सकती हैं।

अनन्या मिश्रा

हर लड़की की चाहत होती है कि उसकी स्किन कितना सॉफ्ट और क्लीन हो। इसके लिए अक्सर लड़कियां अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन जब मार्केट के केमिकल वाले फेस वॉश या क्लींजर का इस्तेमाल करती हैं, तो इसका स्किन पर बुरा असर डालती है। लेकिन अगर आप भी सॉफ्ट और क्लीन स्किन पाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर ही बड़ी आसानी से फेस क्लींजर बनाने के टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। होममेड फेस क्लींजर के इस्तेमाल से आपकी त्वचा भी खिली-खिली रहेगी। आइए जानते हैं घर पर होममेड क्लींजर बनाने के तरीके के बारे में...

होममेड क्लींजर की सामग्री

मुल्तानी मिट्टी- 1 चम्मच
चंदन पाउडर- 1 चम्मच
कच्ची हल्दी- 1/4 चम्मच
आटा (ग्राम फ्लोर)- 1 चम्मच
स्प्रे बॉटल- 1
गुलाब जल- जरूरत अनुसार

आसान है बनाने का तरीका

एक बड़े बाउल में ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को अच्छे से मिक्स कर लें।

फिर इसे एक स्प्रे बोतल में भर लें।

इस तरह से होममेड क्लींजर बनकर तैयार हो जाएगा।

आप चाहें तो इसमें एक चम्मच अपना फेसवॉश भी मिला सकते हैं।

होममेड क्लींजर

होममेड क्लींजर चेहरे से गंदगी को साफ करने के लिए तरह-तरह फेस वॉश का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसके कारण हमारे चेहरे की नमी कम होती है। ऐसे में अगर आप घर पर बने फेस क्लींजर गंदगी को साफ करने के साथ आपकी त्वचा को नरिश करेगा।

फेस क्लींजर के फायदे

दिनभर की धूल-मिट्टी और गंदगी हमारे फेस के रंग को डल करता है। इसलिए फेस को साफ करने के लिए हम सभी क्लींजर या फेस वॉश का इस्तेमाल करते हैं।

फेस वॉश या क्लींजर चेहरे की गंदगी को साफ करने, स्किन पोर्स को क्लीन करने और स्किन में तेल जमा होने से रोकता है। साथ ही होममेड फेस क्लींजर मुंहासे और ब्लैकहेड्स की समस्या को भी कम करने में मदद करता है।

पर्यटन

अंग्रेजों ने समर प्लेस के रूप में तैयार करवाया था ये हिल स्टेशन, जन्नत से कम नहीं हैं ये जगहें

> आज हम आपको भारत के इन हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको अंग्रेजों ने अपने समर प्लेस के तौर पर तैयार किया था। ऐसे में आप भी इन हिल स्टेशनों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

अनन्या मिश्रा

भारत में गर्मियों का मौसम आते ही लोग हिल स्टेशन पर घूमने का प्लान बनाने लगते हैं। फिर वह भीड़भाड़ वाली जगह हो या फिर ऑफबीट। हर किसी को छुट्टियां बिताने के लिए एक बार यहां जरूर आना होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप जिन जगहों के हर वीकेंड चक्कर लगाते हैं, उनका क्या अस्तित्व है और कब से अस्तित्व में हैं। शायद आपकी तरह बहुत सारे लोग इस बात से अंजान होंगे। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी इन हिल स्टेशनों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कसौली

घूमने के लिहाज से कसौली भी बेहद अच्छी जगह है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह हिल स्टेशन भी अंग्रेजों द्वारा बनाया गया था। इस हिल स्टेशन को अंग्रेजों ने समर प्लेस के रूप में तैयार किया था। जब भी भारत में अधिक गर्मी पड़ती थी, तो अंग्रेज अक्सर यहां पर छुट्टियां मनाने चले आते थे। जब भी जन्नत देखने की बात होती है, तो कसौली को सबसे पहले याद किया जाता है।

मसूरी

भारत के सबसे पुराने हिल स्टेशनों की लिस्ट में मसूरी का नाम भी शामिल है। मसूरी को 'पहाड़ी की रानी' कहा जाता है। या फिर इसको अंग्रेजी में 'क्वीन ऑफ हिल स्टेशन' कह सकते हैं। इस हिस स्टेशन को भी अंग्रेजों ने ढूंढा था। यह काफी लोगों की पसंदीदा जगह बन चुकी है। अगर पर्यटकों की संख्या की बात करें, तो मसूरी हिल स्टेशन सबसे टॉप पर रहता है। मसूरी हिल स्टेशन दिल्ली से अधिक दूर नहीं है।

नैनीताल

उत्तराखंड की सबसे बेस्ट और सबसे ज्यादा देखे जाने वाले हिल स्टेशन में नैनीताल का नाम भी शामिल है। यहां के हसीन पहाड़ और उसके बीत में नैनी लेक यहां के माहौल को रोमांटिक बना देती है। बताया जाता है कि इस जगह को अंग्रेजों ने अपने समर प्लेस के लिए तैयार करवाया था। नैनीताल भी बेहद पुराना हिल स्टेशन है। यहां पर लोग अक्सर वीकेंड में घूमने का प्लान बनाते हैं।

शिमला

अक्सर लोग जब भी किसी हिल स्टेशन घूमने का प्लान बनाते हैं, तो शिमला का नाम सबसे पहले लिया जाता है। शिमला बेहद अनोखा और खूबसूरत हिल स्टेशन है, जहां पर हर कोई जाना पसंद करता है। आप दिल्ली से शिमला महज 7 घंटे में पहुंच सकते हैं। यहां पर आप बस, ट्रेन और फ्लाइट से पहुंच सकते हैं। शिमला में एक्सप्लोर करने के लिए काफी कुछ है। अंग्रेजों ने अपने जमाने में बने शिमला को समर वेकेशन के लिए तैयार किया था।

औली

ठंड में सबसे ज्यादा लोग औली जाना पसंद करते हैं, क्योंकि यह जगह विंटर एक्टिविटी के लिए काफी ज्यादा फेमस है। औली में आप आइस स्केटिंग के साथ कई स्नो एक्टिविटी कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी गर्मियों में यहां आना चाहते हैं, तो आपको इससे अच्छी जगह नहीं मिलेगी। यहां पर पहाड़ों के आसपास ऐसा नजारा दिखता है, जिसे आप कभी भूल नहीं सकते हैं। आप बस या गाड़ी से आसानी से औली पहुंच सकते हैं। औली भी अन्य हिल स्टेशनों की तरह अंग्रेजों द्वारा देखी गई थी।

स्टाइलिश

वर्किंग डे के लिए शानदार हैं अनुष्का सेन के ये आउटफिट्स, कंफर्ट के साथ मिलेगा स्टाइलिश लुक

हर संडे हम सभी के मन में सिर्फ यही चलता है कि सोमवार को क्या पहनकर ऑफिस जाया जाए। जिसमें कंफर्टेबल दिखने के साथ सुंदर भी दिखें। लेकिन आरामदायक ड्रेस में स्टाइलिश दिखने के लिए थोड़ी सी मेहनत लग सकती है।

हर संडे हम सभी के मन में सिर्फ यही चलता है कि सोमवार को क्या पहनकर ऑफिस जाया जाए। जिसमें कंफर्टेबल दिखने के साथ सुंदर भी दिखें। लेकिन आरामदायक ड्रेस में स्टाइलिश दिखने के लिए थोड़ी सी मेहनत लग सकती है। जैसे कि क्या पहनें और यह सोमवार को पहना तो अगले दिन क्या पहनना चाहेंगी। हम सभी के साथ अक्सर यह प्रॉब्लम होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम इस छोटी सी समस्या को मिनटों में सॉल्व करने वाले हैं।

हम उम्र की लड़कियां खासकर एक्ट्रेस की तरह स्टाइलिश कपड़े पहनकर कॉलेज जाना चाहती हैं। ऐसे में अगर आप भी बॉलीवुड एक्ट्रेस जितनी खूबसूरत और चार्मिंग दिखना चाहती हैं, तो आजइस आर्टिकल के जरिए हम आपको अनुष्का सेन के 5 ऐसे आउटफिट्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको कैरी कर आप भी पांच वर्किंग डेज में पहनकर खूबसूरत दिखने के साथ अपने लुक को एनहान्स कर सकती हैं।

मंडे वाइब को करें ब्लू

कॉलेज का पहला दिन मंडे होता है। ऐसे में अगर आप भी मंडे वाइब को अच्छा रखना चाहती हैं, तो एक्ट्रेस अनुष्का सेन की तरह प्यारी सी स्काई ब्लू रंग की मिडी ड्रेस कैरी कर सकती हैं। एक्ट्रेस ने स्काई ब्लू रंग की मिडी ड्रेस के साथ वाइट स्नीकर और डार्क ब्लू रंग का बैग कैरी किया है। ऐसे में आप भी एक्ट्रेस के लुक को रिक्रिएट कर सकती हैं।

ट्यूसडे को स्ट्रीट स्टाइल

ट्यूसडे को आप बेज कलर की जीन्स, वाइट क्रॉप टॉप और ब्लू रंग की ओवर साइज शर्ट कॉलेज लुक के लिए एकदम परफेक्ट है। वहीं अगर आप अपने लुक को थोड़ा और स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो इसके साथ स्लिंग बैग भी ले सकती हैं। आप चाहें तो शर्ट को ओपन रख सकती हैं।

वेंस्डे को फ्लोरल ड्रेस

वेडनेस डे को आप फ्लोरल ड्रेस पहन सकती हैं। अनुष्का सेन की तरह यह ड्रेस कॉलेज और दोस्तों के साथ आउटिंग के लिए परफेक्ट हैं। इस ड्रेस के साथ आप हील या फिर स्नीकर के साथ कैरी करें। साथ ही एक स्लिंग बैग और सिंपल से नेकपीस से अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं।

थर्सडे को पहनें ट्रेडिशनल

थर्सडे के दिन आप ट्रेडिशनल लुक में अपनी खूबसूरती को अधिक निखार सकते हैं। इसके लिए आप एक्ट्रेस अनुष्का सेन की तरह मोनोक्रोम कोर्ट सेट भी ले सकते है। लेकिन अगर आपको दूसरा कलर पसंद है, तो आप अपने लुक को कलर कंट्रास्ट के जरिए ज्यादा एनहान्स कर सकते हैं। इसके साथ ही काली बिंदी और कानों में झुमके पहनना न भूलें।

फ्राइडे को कैरी करें कैजुअल

कॉलेज के लास्ट दिन हम अक्सर अपने दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनाते हैं, तो ऐसे में कंफर्ट और फैशन बेहद जरूरी है। ऐसे में आप अपने मूड और ओकेजन के हिसाब से एक परफेक्ट फिटेड जीन्स और क्रॉप टॉप कैरी कर सकती हैं। आप चाहें तो ब्लैक जीन्स के साथ किसी ब्राइट कलर के टैंक टॉप में बेहद स्टाइलिश लगेंगी। आप चाहें तो अनुष्का सेन के आउटफिट से इंस्पिरेशन ले सकते हैं।

भाजपा सक्रिय सदस्य सम्मेलन आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। भाजपा सक्रिय सदस्य सम्मेलन विधानसभा लोनी जिला अध्यक्ष चौधरी चैन पाल सिंह की अध्यक्षता में हुआ संपन्न । शनिवार को भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस अभियान के अंतर्गत विधानसभा मोदीनगर का सक्रियता सम्मेलन दुल्हन बैंक्विट हॉल मोदीनगर मैं आयोजित हुआ जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र भारद्वाज भाजपा का चुनावी एवं संगठन विस्तार विषय पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी । दूसरे मुख्य वक्ता के रूप में मोदीनगर विधायक डॉ मंजू शिवाच ने भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन विषय पर जानकारी दी तृतीय मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष सतपाल प्रधान ने प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियां की जानकारी योजनाओं के विषय में अपना उद्बोधन रखा ।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चैन पाल सिंह ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा आज भारतीय जनता पार्टी जिस ऊंचाइयों पर पहुंची है उसमें सबसे अहम योगदान आप सभी कार्यकताओं का है कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी की रीड की हड्डी है आप सभी कार्यकताओं की वजह से ही भारतीय जनता पार्टी देशभर में घर-घर पहुंच पाई है और भारतीय जनता पार्टी भी एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सभी कार्यकताओं का सम्मान करती है और उनकी आवाज बनती है। इस अवसर पर मुख्य रूप से सहकारी बैंक चेयरमैन किशनवीर सिंह नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल सतवीर राघव सत्येंद्र त्यागी डॉ पवन सिंघल देवेंद्र डायमंड जितेंदर चित्तोडा नवेंदर गौड़ नवीन जायसवाल आकाश शर्मा सहित पदाधिकारी सक्रिय सदस्य एवं कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

मुरादनगर में मनाया भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जन्मोत्सव

दो दिवसीय भीम मेले का फीता विधायक अजीतपाल त्यागी ने किया शुभारंभ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। भारतीय संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर नगर में मेरठ रोड स्थित अम्बेडकर पार्क में आयोजित दो दिवसीय भीम मेले का फीता काटकर क्षेत्रीय विधायक अजीतपाल त्यागी ने शुभारंभ किया। क्षेत्रीय विधायक अजीतपाल त्यागी ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर नहीं बल्कि महामानव थे।

डॉ. अम्बेडकर की जयंती को भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर मना रही है। उन्होनें कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर की स्मृति में प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी जन्म भूमि, कर्म भूमि एवं जहां पर उन्होनें शिक्षा प्राप्त की। उनका स्मारक बनाने का काम किया है। उन्होनें किसी जाति विशेष के लिए नहीं बल्कि सभी जाति व धर्म के लोगो के लिए कार्य किया था।डॉ. भीमराव अम्बेडकर को किसी जाति विशेष व विशेष पार्टी की दलगत पार्टी से उठकर हमें उनका सम्मान करना चाहिए। विधायक अजीतपाल त्यागी ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने कहा था कि समाज के वंचित वर्ग के

- डॉ. भीमराव अम्बेडकर को किसी जाति विशेष व विशेष पार्टी की दलगत पार्टी से उठकर हमें उनका सम्मान करना चाहिए : विधायक

लोग शराब व नशे की लत छोड़े और शिक्षा पर ध्यान दे। आज उनके जन्मदिवस पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजली होगी कि आज हम उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलकर उनकी नीतियों का अनुसरण करते हुए अपनी बच्चो की शिक्षा पर ध्यान दे। डॉ. भीमराव अम्बेडकर पार्क के निर्माण में उनके परिवार का अहम योगदान है। भूमि आवंटन से लेकर भराव, चारदीवारी कराने का कार्य उनके पिताजी पूर्व केबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी द्वारा कराया गया था। डॉ. अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष मनोज भारती व अन्य पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक अजीतपाल त्यागी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर मनोज ठैकेदार, विनोद प्रधान, पूर्व सभासद योगेन्द्र, सचिन बसंत, सोनू त्यागी सभासद, रोहताश जाटव, चरण दास भारती, मनोज शर्मा, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष अरविंद भारतीय, मंडल अध्यक्ष राहुल गोयल, भूषण त्यागी, उत्तम त्यागी, विनोद प्रजापति, गीता चौधरी सहित अनेक लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रामकिशोर गौतम ने किया।

छात्रवृत्ति परीक्षा में डॉ . केएन मोदी कॉलेज के 5 छात्रों ने इस वर्ष भी मारी बाजी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- 2024 में भी प्रधानाचार्य डॉ. सतीश अग्रवाल ने 13 छात्रों का चयन किया था
- प्रत्येक छात्र को लगातार 4 वर्षों तक 48000 की छात्रवृत्ति मिल रही है

मोदीनगर। अब नोवीं से 12 वीं क्लास तक प्रत्येक को 48000 रुपए की मिलेगी छात्रवृत्ति आज डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद के 5 छात्रों ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में सफल होने पर प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल ने बधाई दी और एक सम्मान समारोह का आयोजन किया ।जिसमें सफल छात्रों को प्रतीक चिन्ह व माला और पटका पहना कर सम्मानित किया गया ।साथ ही साथ उनके कक्षा अध्यापक तेजवीर सिंह,राम रतन वर्मा को भी प्रधानाचार्य ने पटका पहनाकर सम्मानित किया । जिले में नवंबर 2024 में यह परीक्षा आयोजित हुई थी जिसमें विद्यालय के लगभग 30 छात्रों ने भाग लिया । गाजियाबाद जिले से कुल 131 छात्र सफल हुए जिनमें से 5 छात्र मोदी कॉलेज के हैं । जिनमे जतिन पुत्र योगेंद्र, हृदयांश भारती पुत्र देवेंद्र,निशांत पुत्र पवन कुमार,वंश पुत्र रवि कुमार,रितिक कुमार पुत्र प्रवीण कुमार हैं।पिछले साल भी 13 छात्रों का चयन इसी परीक्षा में हुआ प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश अग्रवाल ने बताया कि पिछले लगभग 8 सालों से प्रत्येक वर्ष लगभग 15 छात्र इस छात्रवृति परीक्षा में सफल होकर प्रतिवर्ष 12000 रुपए की छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रकार प्रत्येक छात्र को लगातार चार वर्षो तक 48000 की छात्रवृत्ति प्राप्त हो रही है जो किसी भी छात्र के लिए कम राशि नहीं है ।छात्रवृत्ति से प्राप्त पैसों से छात्र अपनी आगामी शिक्षा को आसानी से पूरा कर सकेंगे ।इस परीक्षा में सफलता के लिए डॉक्टर पूनम वशिष्ठ भूषण शर्मा डॉक्टर ए के जैन जी का सहयोग रहा ।विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह,राजीव वर्मा,कुमारी शैल सुता, रेखा रानी आदि अध्यापक उपस्थित रहे।

गाजियाबाद के इतिहास पर शोध प्रबंध भेंट किया

डॉ. आनंद शर्मा दंपत्ति ने लिया मां पीतांबरा का आशीर्वाद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गाजियाबाद के शिक्षक और इतिहास लेखक डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने सपत्नीक श्री पीतांबरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ में मां भगवती श्री पीतांबरा का आशीर्वाद ग्रहण किया और आचार्यश्री को अपना शोध प्रबंध भेंट किया। डॉ. आनंद शर्मा ने इतिहास गाजियाबाद के इतिहास पर पीएचडी की है।

सनातन संस्कृति को समर्पित शिक्षक दंपत्ति उप प्रधानाचार्य डॉ. आनंद शर्मा और बिटिया डॉ. मनीषा शर्मा ने मां भगवती का आशीर्वाद लिया...मां इन्हें स्वस्थ रखें, वैभवशाली बनाएं और कीर्तिवर्धन करें।

गांव चलो अभियान के तहत किया ग्राम प्रवास

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल ने नगर के वार्ड संख्या 29 आदर्श नगर में स्थापना दिवस के अंतर्गत चल रहे वार्ड, गांव चलो अभियान के तहत प्रवास किया ।

इस दौरान वार्ड नंबर 29 आदर्श नगर के बूथ नंबर 172 पर सभासद ललित त्यागी के नेतृत्व में बूथ बैठक, कार सेवकों का सम्मान एवं घर-घर संपर्क अभियान पूर्ण किया जिसमे उन्होंने सभी को मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी दी और लोगों को जागरूक किया।इस अवसर पर मुख्य रूप से नितिन जिंदल, प्रीतम प्रजापति शक्ति केंद्र संयोजक, आनंद गोयल, लोकेश दोढ़ी, शिव अग्रवाल, नितिन मित्तल, महेश सेन बूथ अध्यक्ष, हिमांशु थापर, आयुष गोयल, गोपाल गुप्ता पवन अग्रवाल भारत गुप्ता अमित सिंघल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पोक्सो पर तुलसीराम माहेश्वरी विद्यालय में बैठक आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर । तुलसीराम माहेश्वरी विद्यालय में पोक्सो एक्ट जागरूकता अभियान के अंतर्गत मीटिंग का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में कक्षा 9 वीं से 12 वीं के छात्र छात्राओं को पोक्सो एक्ट की जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं के लिए पोस्टर मेकिंग और स्लोगन की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।छात्र-छात्राओं को 'गुड टच' और 'बेड टच' की जानकारी दी गई।

विद्यालय की प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों को आत्मरक्षा और इन संवेदनशील परिस्थितियों से निकालने के लिए जानकारी दी।

कार्यक्रम में विद्यालय की पोक्सो समिति की अध्यक्षा अंजू शर्मा ने सभी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या, रजनी ओहरी पोक्सो समिति के सभी सदस्य और छात्र-छात्र मौजूद रहे।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एलुमनाई मीट का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। नगर क्षेत्र में स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज द्वारा रविवार को एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया। जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न बैचों के विद्यार्थियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के साथ लगभग 450 से अधिक पूर्व छात्र - छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वल्लित करके किया। इस अवसर पर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के सेक्रेट्री भूषण कुमार अरोड़ा और डायरेक्टर-पी.आर. सुरिन्द्र सूद एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल के साथ-साथ डीन एवं दंत विभागों के एचओडी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत डीन-सीडीई, एलुमनाई एंड रिसर्च, डॉ. पायल शर्मा द्वारा विशिष्ट अतिथि गणमान्यों के स्वागत भाषण के साथ हुई। जिन्होंने पूर्व छात्रों को अपने कॉलेज के दिनों को फिर से एकजुट होने, फिर से कॉलेज लाइफ की पुरानी यादों को ताजा करने के लिए आमंत्रित किया। संस्थान के 25 वर्ष (सिल्वर जुबली) पूर्ण होने के उपलक्ष में कॉलेज के प्रथम बीडीएस बैच को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही पूर्व छात्रों ने अपने करियर को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए संस्थान की फैकल्टी सदस्यों को भी सम्मानित किया ।इस अवसर पर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने सभा को संबोधित किया और संस्थान की उपलब्धियों और भविष्य के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पूर्व छात्र हमारे सबसे बड़े राजदूत है और उनकी सफलता वर्तमान छात्रों को प्रेरित करती है। कार्यक्रम के दौरान सभी पूर्व छात्रों ने रंगारंग और मनोरंजन से भरपूर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा सभी ने अपनी पसंदीदा संगीत पर नृत्य भी किया। इसके बाद सभी पूर्व छात्रों ने फैशन शो में स्टाइलिश वॉक किया। इसके बाद पूर्व छात्रों के लिए खेलों का भी आयोजन किया ' जिसमें पूर्व छात्रों के बच्चों ने भी उनके लिये आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इसके बाद पूर्व छात्र संघ की एक आम सभा भी आयोजित की गयी। इसके बाद पूर्व छात्रों ने अपने विभागों का दोबारा दौरा किया और अपने पुराने परिसर के दिनों को याद किया तथा पूर्व छात्रों की एक समूह तस्वीर भी ली गयी। अंत में सभी पूर्व छात्रों ने एलुमनाई मीट के आयोजन करने के लिए आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।